प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-65 | मथुरा, शनिवार, 2 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

सरकारी योजनाओं में बदलेगा भुगतान का तरीका

जनपद में अब लाभार्थियों के खातों में सीधे पहुंचेगी धनराशि

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में सरकारी योजनाओं की भुगतान प्रणाली में बड़ा बदलाव लागू हो गया है। अब एसएनए– स्पर्श आधारित नई डिजिटल व्यवस्था के तहत योजनाओं की धनराशि सीधे लाभार्थियों और वेंडरों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। इस बदलाव के साथ पारंपरिक भुगतान प्रणाली से हटकर पूरी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है।

नई व्यवस्था में अब विभागों और कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा तैयार किए गए बिल एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए जाएंगे, जिन्हें जनपद स्तर पर समेकित कर कोषागार को अग्रेषित किया जाएगा। इसके बाद भुगतान की प्रक्रिया सीधे लाभार्थी या संबंधित वेंडर के खाते में पूरी होगी। पहले जहां भुगतान के लिए कई स्तरों पर फाइलों की आवाजाही और स्वीकृतियों में समय लगता था, वहीं

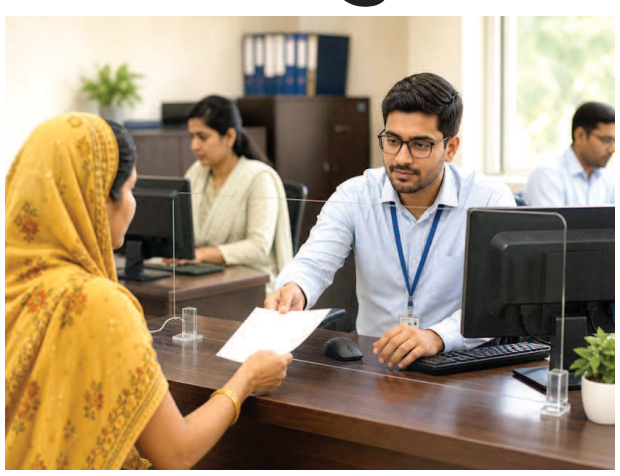

अब यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और केंद्रीकृत हो गई है। एसएनए– स्पर्श प्रणाली की खास बात यह है कि यह जस्ट इन टाइम फंड फ्लो पर आधारित है, जिससे धनराशि बीच में कहीं भी रोकी या स्थानांतरित नहीं की जा सकेगी। इससे बिचौलियों की भूमिका पूरी तरह समाप्त हो गई है और भुगतान सीधे पात्र व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित होगा। इसके साथ ही लाभार्थियों के डेटा निर्माण, सत्यापन और भुगतान विवरण की शुद्धता की पूरी जिम्मेदारी संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों पर तय की गई है। किसी भी प्रकार की त्रुटि या गलत भुगतान के लिए वही जवाबदेह होंगी, जबकि कोषागार केवल भुगतान निष्पादन तक सीमित रहेगा। मथुरा जैसे बड़े जनपद में, जहां अनेक योजनाएं

नई व्यवस्था (एसएनए–स्पर्श) होगी लागू

बिचौलियों की भूमिका पूरी तरीके से खत्म

जनपद स्तर पर बढ़ेगी जवाबदेही

संचालित हैं, इस नई व्यवस्था से भुगतान प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और निगरानी योग्य हो जाएगी। हर भुगतान की स्थिति अब ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी, जिससे पारदर्शिता के साथ जवाबदेही भी मजबूत होगी। कुल मिलाकर, यह बदलाव जनपद के हजारों लाभार्थियों के लिए तेज, सुरक्षित और भरोसेमंद भुगतान सुनिश्चित करेगा। यह निर्देश अपर मुख्य सचिव वित्त एवं वित्त आयुक्त दीपक कुमार ने सभी विभाग अध्यक्षों और प्रमुख कार्यालय अध्यक्षों को दिए हैं।

वृंदावन में प्रेमी–प्रेमिका की मौत

प्रेमिका की हत्या के बाद प्रेमी ने लगाई फांसी

दिल दहला देने वाली वारदात

युवक–युवती के शव एक ही कमरे में मिले

हत्या और आत्महत्या की आशंका

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली क्षेत्र अंतर्तग पानीघाट स्थित दुर्गापरम कॉलोनी में देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक युवक और युवती के शव एक ही कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मिले। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अलीगढ़ निवासी अनीता देवी ने पुलिस को सूचना दी कि उनकी बहन राधिका (28) और एक युवक का शव वृंदावन में किराए के मकान में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों की पहचान राधिका और सुभाष निवासी

मृतक सुभाष, मृतका राधिका
(फोटो फाइल)

छाता के रूप में की। बताया जा रहा है कि राधिका पिछले करीब कई वर्षों से वृंदावन में किराए पर रह रही थी। उसका पहले विवाह हुआ था, लेकिन कुछ समय बाद तलाक हो गया। इसी दौरान उसकी सुभाष से नजदीकियां बढ़ीं और दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए। यह कयास लगाए जा रहे हैं कि संभवत शुक्रवार की रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ होगा, सीओ पीतम सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक ने पहले युवती की दुपट्टे से गला दबाकर हत्या कर दी और बाद में खुद ने भी उसी कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

कारागार में निरुद्ध बंदी की हुई मौत

यूनिक समय मथुरा। जिला कारागार में हत्या के प्रयास में बंद एक बंदी सिक्योरिटी गार्ड के सीने में अचानक दर्द होने पर उसे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नौहझील थाने से हत्या के प्रायस के मामले में आरोपी कुशलपाल को कोर्ट ने दिसंबर 2025 में जेल भेजा था। जेल अधीक्षक अनशुमान गर्ग ने बताया कि कुशलपाल जिला कारागार की बैरक नंबर दो में निरुद्ध था। शुक्रवार की देर रात कुशल पाल ने अपने सीने में अचानक तेज दर्द होने की

बैरक में देर रात उठा था बंदी के सीने में दर्द

जिला अस्पताल में हुई बंदी की मौत

शिकायत की। बंदी की तबियत खराब होने की सूचना पर तुरंत उसे कारागार के अस्पताल भेजा गया। वहां उसकी हालत बिगड़ती देख बंदी को जिला अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई। बंदी की हुई मौत के बारे में उसके परिवार के लोगों को भी सूचना देने के साथ–साथ थाना सदर बाजार पुलिस को भी जानकारी दी गई। बंदी के शव का पंचनामा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्रथम दृष्टा मामला हार्ट अटेक का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम के बाद मौत का सही कारण पता लग पाएगा।

हड़कम्प वंदे भारत ट्रेन के नाश्ते में मिला कीड़ा

यात्रियों ने खाने में गंदगी पर मचाया हंगामा

यूनिक समय, आगरा। आगरा से प्रयागराज जा रही प्रतिष्ठित वंदे भारत एक्सप्रेस में उस समय अफरा–तफरी मच गई जब यात्रियों के नाश्ते में कथित तौर पर कीड़ा मिलने का मामला सामने आया। ट्रेन नंबर 20176 के कोच सी 13 में परोसे गए नाश्ते को खाते ही कुछ यात्रियों की तबीयत बिगड़ने लगी और कई लोग उल्टियां करने लगे। घटना सामने आते ही पूरे कोच में हड़कंप मच गया और यात्रियों ने खाना छोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक, मुंबई के एक डॉक्टर की पत्नी ने जैसे ही

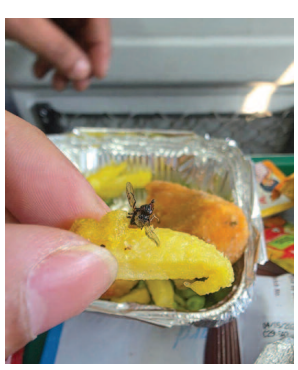

नाश्ता किया, उन्हें असहज महसूस हुआ। बाद में शिकायत करने पर पता चला कि खाने में कीड़ा पाया गया है। इसके बाद अन्य यात्रियों ने

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

यात्रियों की तबीयत बिगड़ी, रिफंड की मांग

भी नाश्ते की जांच की तो कई जगह संदिग्ध स्थिति दिखी, जिससे गुस्सा और डर दोनों फैल गया। यात्रियों ने आरोप लगाया कि ट्रेन में परोसा गया खाना बेहद खराब गुणवत्ता का था और यह सीधे तौर पर स्वास्थ्य से खिलवाड़ है। कई यात्रियों ने रेलवे से रिफंड की मांग की और जिम्मेदार कैटरिंग एजेंसी पर कार्रवाई की बात कही। इस पूरी घटना का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं, जिसमें यात्रियों की नाराजगी और हंगामे को साफ देखा जा सकता है। मामला तूल पकड़ने के बाद रेलवे प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं और संबंधित कैटरिंग सेवा पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेन में इस तरह की घटना ने यात्रियों के भरोसे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है और रेलवे की ओर से रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

ट्रेन में लिमिट से ज्यादा लगेज ले जाना जेब पर पड़ेगा भारी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सफर करते समय अक्सर लोग सोचते हैं कि अतिरिक्त सामान पर जुर्माना सिर्फ हवाई यात्रा में ही लगता है, हम सभी जानते हैं कि फ्लाइट में तय वजन से ज्यादा सामान होने पर अतिरिक्त पैसे देने पड़ते हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि रेलवे में भी बिल्कुल ऐसा ही नियम लागू होता है। आज भी कई यात्री इस नियम से अनजान हैं, अगर आप ट्रेन से यात्रा करते समय तय सीमा से ज्यादा वजन का सामान साथ ले जाते हैं तो आपको भी भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है। इसलिए ट्रेन यात्रा पर निकलने से पहले अपने सामान के वजन और आकार पर जरूर ध्यान दें। अगर आप तय नियमों का पालन नहीं करेंगे तो यात्रा के दौरान आपको अतिरिक्त पैसे चुकाने पड़ सकते हैं।

रेलवे ने सामान (लगेज) ले जाने की एक सीमा तय कर रखी है? दरअसल, आपके टिकट की श्रेणी (क्लास) के अनुसार यह तय होता है कि आप कितना वजन बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के ले सकते हैं, रेलवे में हर क्लास के लिए अलग-अलग मुफ्त सामान ले जाने की सीमा तय है।

आप किस कोच में ले जा सकते हैं कितना सामान

क्लास के अनुसार सामान ले जाने की सीमा- एसी फर्स्ट क्लास (1ए)– 70 किलो, एसी सेकंड टियर (2ए)– 50 किलो, एसी थर्ड टियर / स्लीपर (3ए/एसएल)– 40 किलो सामान ले जा सकते हैं। सेकंड सिटिंग (2एस)– 35 किलो, मतलब यह है कि अगर आप तय सीमा से ज्यादा सामान ले जाते हैं तो आपको जुमोना देना पड़ सकता है, हालांकि तय अधिकतम सीमा तक सामान ले जाने की अनुमति होती है, इसलिए ट्रेन से सफर करने से पहले अपने सामान का वजन और अपनी टिकट क्लास जरूर जांच लें, ताकि परेशानी से बचा जा सके।

रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन से उतरते ही कुली को ढूंढने की दिक्कत होगी खत्म

कुलियों की ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा शुरू करने की पहल

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए एक अनूठी पहल करने जा रहा है, जिसमें उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने देश में पहली बार कुलियों की ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा शुरू करने की पहल की है। इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद जल्द ही यात्री घर बैठे या ऐप के जरिए कुली की ऑनलाइन बुकिंग कर सकेंगे।

रेलवे की इस नई सुविधा का उपयोग करना बहुत ही आसान है। यात्री अपने फोन में रेलवे के अधिकृत ऐप या वेबसाइट के जरिए ट्रेन के आने–जाने के समय के अनुसार कुली को पहले ही बुक कर सकेंगे। जब यात्री स्टेशन पहुंचेंगे तो उनका बुक किया गया

कुली पहले से ही संबंधित जगह पर उनको मिलेगा। इसके लिए एक डिजिटल पेमेंट सिस्टम भी बनाया जाएगा, जिससे यात्रियों को पहले से ही पता होगा कि उन्हें कुली को कितना पैसा देना है।

त्योहारों या भीड़–भाड़ के समय अक्सर यह शिकायत आती है कि कुछ कुली यात्रियों से मनमाना किराया वसूलते हैं। जिसकी वजह से कई बार यात्रियों और कुलियों के बीच झगड़ा भी हो जाता है। ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम शुरू होने से मनमाने किराए की समस्या जड़ से खत्म हो जाएगी और कुलियों के काम में भी अनुशासन आएगा।

शुरुआती चरण में यह सुविधा प्रयागराज मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर शुरू की जाएगी। इनमें प्रयागराज जंक्शन, छिवकी, कानपुर सेंट्रल, मिर्जापुर, इटावा और अलीगढ़ जैसे बड़े स्टेशनों पर यह सुविधा शुरू की जा रही है। अगर यह ट्रायल सफल रहता है, तो आने वाले टाइम में इसे देश के दूसरे रेलवे स्टेशनों में भी शुरू की जा सकती है।

इस नई पहल पर बात करते हुए उत्तर मध्य रेलवे के सीनियर डीसीएम हरिमोहन ने कहा कि यात्रियों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं देना ही हमारा मुख्य लक्ष्य है। रेलवे की इस नई पहल से न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि उनकी यात्रा भी बहुत ज्यादा सुविधाजनक और टेंशन–फ्री होगी।

तापमान / मौसम

40 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,51,570
22 कैरेट 1,39,444
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,50,780 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

नरसिंह–वराह लीला महोत्सव में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

यूनिक समय, मथुरा। बाल नरसिंह लीला समिति, कब्बी बाई धर्मशाला, राजा घाट द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पारंपरिक नरसिंह–वराह लीला महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। महोत्सव के अंतर्गत पहले दिन भगवान वराह लीला का आकर्षक मंचन किया गया। लीला के दौरान कलाकारों ने भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों की जीवंत झांकी प्रस्तुत कर दर्शकों को भाव–विभोर कर दिया। इसके साथ ही भगवान गणेश, हनुमान जी, शिव जी, ब्रह्मा जी एवं माता तारा देवी के स्वरूपों का भी सजीव मंचन किया गया, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और लीला के दर्शन कर धर्म लाभ अर्जित किया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह पारंपरिक आयोजन पिछले करीब 40 वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य धार्मिक संस्कृति को जीवित रखना और नई पीढ़ी को भारतीय परंपराओं से जोड़ना है।

अब दिव्यांगजनों को रोजगार में मिलेगा अधिक अवसर

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में दिव्यांगजनों को सरकारी सेवाओं में अधिक अवसर दिलाने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। विभिन्न विभागों में पदों का पुनर्निर्धारण करते हुए अब समूह 'क', 'ख', 'ग' और 'घ' श्रेणियों में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इस संबंध में प्रमुख सचिव राकेश कुमार ने जिला अधिकारी सीपी सिंह को भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि विभागवार पदों का चिन्हांकन कर नियमानुसार नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। इसके बाद जनपद स्तर पर विभागों में प्रक्रिया को तेज करने की तैयारी शुरू हो गई है।

नई व्यवस्था के तहत दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, चलन संबंधी दिव्यांगता, मानसिक एवं बौद्धिक दिव्यांगता सहित विभिन्न श्रेणियों के लिए पद निर्धारित किए गए हैं। पर्यटन, कृषि और नगर विकास जैसे विभागों में अलग–अलग स्तर के पदों को चिन्हित किया गया है, जिससे उच्च से लेकर सहायक स्तर तक

पदों का नया निर्धारण लागू

सरकारी विभागों में बढ़ेगी हिस्सेदारी

अब हर श्रेणी में तय होंगे आरक्षित पद

अवसर उपलब्ध होंगे। प्रशासन ने अधीनस्थ कार्यालयों को भी निर्देश दिए हैं कि चिन्हित पदों पर भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

इससे भर्ती में पारदर्शिता बढ़ेगी और पात्र दिव्यांग अभ्यर्थियों को समान अवसर मिल सकेगा। जनपद में, जहां विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या में पद हैं, इस व्यवस्था का सीधा लाभ स्थानीय दिव्यांगजनों को मिलने की उम्मीद है। यह कदम न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाएगा, बल्कि उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ करने में सहायक साबित होगा।

सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, मथुरा की छात्रा स्तुति गुप्ता ने आईसीएसई बोर्ड कक्षा 10वी में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। उनकी सफलता से स्कूल में खुशी का माहौल है।

मथुरा में कल निकलेगी भगवान परशुराम शोभायात्रा, तैयारियां पूरी

यूनिक समय, मथुरा। भगवान परशुराम की जयंती पर तीन मई को शोभायात्रा निकाली जायेगी। शोभायात्रा को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति के पदाधिकारियों ने आयोजन को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप देने के लिए कमर कस ली है। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल शर्मा तथा राष्ट्रीय महामंत्री बंसी शर्मा ने बताया कि शोभायात्रा तीन मई को शाम चार बजे माहेश्वरी पैलेस, बाटी बाली कुंजी से प्रारंभ होगी। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों लाल दरवाजा चौक बाजार, डोरी बाजार, स्वामी घाट, विश्राम घाट, होली गेट, भरतपुर गेट, घीया मंडी और मंडी रामदास से होकर डीग गेट के समीप संपन्न

तीन दर्जन से अधिक झांकियां होंगी शामिल

जगह–जगह परशुराम यात्रा का स्वागत होगा

होगी। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा की सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को अलग–अलग जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। समिति के राष्ट्रीय महामंत्री बंसीलाल शर्मा ने बताया कि शोभायात्रा में तीन दर्जन से अधिक आकर्षक झांकियां शामिल होंगी, जो भगवान परशुराम के जीवन चरित्र, शौर्य तप त्याग और सनातन संस्कृति के संदेश को जन–जन तक पहुंचाएंगी।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

प्रेमनगर के जंगल में अचेत मिले युवक की मौत

युवक दो माह पूर्व एक किशोरी को भगा ले गया था

20 अप्रैल को किशोरी की हो गई शादी

परिवार के लोग दे रहे थे युवक को धमकी

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट के प्रेमनगर के जंगल में अचेतावस्था में मिले एक युवक ने परिवार को लोगों द्वारा आगरा ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। परिवार के लोगों का आरोप है कि युवक को जहरीला पदार्थ खिलाकर उसकी हत्या की गई है।

थाना राया के गांव गढ़ी परसा निवासी युवक संदीप (20) पुत्र विजेंद्र कभी मजदूरी तो कभी ड्राइवरी करता था। युवक अचेतावस्था में कल दोपहर को प्रेमनगर के जंगल में पड़ा मिला था। युवक के परिवार के लोग उसे इलाज के लिए पहले मांट स्वास्थ्य केंद्र पर ले गए। बाद में उसकी हालत को देखते हुए जिला अस्पताल भेज दिया। आगरा ले जाते रास्ते में रात में उसकी मौत हो गई। परिवार के लोगों ने बताया कि वह गांव की एक लड़की को लेकर करीब दो माह पूर्व भाग गया था। बाद में लड़की को उसके परिवार के लोगों को सौंप दिया था। लड़की के परिवार के लोग इसे लेकर दुश्मनी मानने लगे थे। लड़की की शादी उसके परिवार के लोगों ने 20 अप्रैल को कर दी। इसके बाद से संदीप को लगातार लड़की के परिवार के लोग धमकी दे रहे थे। आरोप है कि संदीप को इस रंजिश के चलते लड़की के परिवार के लोगों ने कोई विषाक्त पदार्थ खिला दिया जिस कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इलेक्ट्रिक बस ने मजदूर को रौंदा, हालत गंभीर

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन थाना क्षेत्र में मजदूरी कर बीती रात घर लौट रहे एक मजदूर को सड़क किनारे चलते समय इलेक्ट्रिक बस ने रौंद दिया, जिससे मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना गोवर्धन के गांव सीह निवासी हरिकृष्णा अपने भतीजे रामकिशोर के साथ बीती रात बरसाना से मजदूरी करने के बाद घर के लिए लौट रहे थे। रास्ते में वह सड़क पर आगे चल रहे थे। भतीजा पीछे था। इसी बीच तेज गति से आती इलेक्ट्रिक बस ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक बस को मौके से भगा ले गया। राम किशोर ने बस की टक्कर से गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर पड़े चाचा को देखा और शोर मचाया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल हुए मजदूर हरिकृष्ण को गोवर्धन के स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया।

छाता तहसील परिसर में अव्यवस्थाओं का बोलबाला

नाराजगी जाहिर करते छाता के अधिवक्ता।

गंदगी और प्यास से बेहाल जनता और अधिवक्ता, फूटा गुस्सा

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। तहसील परिसर इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। भीषण गंदगी और पीने के पानी की किल्लत से जूझ रहे अधिवक्ताओं और जनता का धैर्य अब जवाब दे गया है। तहसील प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ अधिवक्ताओं ने कड़ा रोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों पर समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है।

तहसील परिसर के हर कोने में गंदगी के अंबार लगे हुए हैं। सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप होने के कारण अधिवक्ताओं और यहां आने वाले फरियादियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। अधिवक्ताओं का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद सफाई कर्मचारी और जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

भीषण गर्मी और धूप के बीच तहसील में पानी का संकट गहरा गया है। परिसर में लगे वाटर कूलर और हैंडपंप या तो खराब पड़े हैं या उनमें पानी है ही नहीं। तहसील आने वाले लोगों को मजबूरी में बाहर से पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है।

छाता बार एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा सचिव सदस्यों ने दो-टूक शब्दों में कहा कि अधिकारियों की उदासीनता के कारण तहसील नरक बन चुकी है। अधिकारी अपने एयरकंडीशन कमरों में बैठे हैं, जबकि आम जनता और अधिवक्ता बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यदि जल्द ही सफाई और पानी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो हम कार्य बहिष्कार और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

रेलवे स्टेशन पर बिछुड़ी किशोरी को जीआरपी ने परिवार को सौंपा

किशोरी के मिलने पर परिवार ने पुलिस का जताया आभार

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन पर परिवार से बिछुड़ी एक किशोरी को राजकीय रेलवे पुलिस ने तलाश करने के बाद उसके परिवारीजनों को सौंप दिया। किशोरी के मिलने पर परिवार के लोगों ने पुलिस की प्रशंसा की।

थाना प्रभारी निरीक्षक जीआरपी जितेंद्र सिंह ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर अपराध नियंत्रण और तस्करी को रोकने के लिए पूलिस की टीम प्लेटफार्म पर गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी बीच प्लेट फार्म संख्या एक पर टीम ने एक किशोरी को घबराई हालत में देखा। पुलिस टीम ने इस पर किशोरी से पूछताछ की। पुलिस को किशोरी ने बताया कि उसका परिवार छूट गया है। वे परिवार को तलाश कर रही है। पुलिस टीम ने किशोरी को सांत्वना दी और उससे परिवार के बारे में जानकारी की। किशोरी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने उसके परिवार के लोगों से संपर्क किया। परिवार के लोगों को जब किशोरी के सकुशल होने का पता लगा तो परिवार के लोग मथुरा जंक्शन स्थित राजकीय रेलवे थाने पर आए। पुलिस ने परिवार के लोगों की आवश्यक जांच कर परिवार के लोगों की पहचान के बाद किशोरी को परिवार को उसे सौंप दिया।

जिले में 63,793 बुजुर्गों को मिल रही वृद्धा पेंशन

वृद्धाश्रम में रहने वाले 34 बुजुर्ग भी ले रहे योजना का लाभ, 84 बुजुर्ग आश्रम में निवासरत

यूनिक समय, मथुरा। जिले में सरकार की वृद्धा पेंशन योजना बुजुर्गों के लिए सहारा बनी हुई है। वर्तमान में जनपद में कुल 63,793 बुजुर्ग इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। यह योजना उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक मदद का प्रमुख साधन बन चुकी है, जिनके पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं है। सरकार द्वारा दी जा रही इस पेंशन से बुजुर्गों को अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में राहत मिल रही है। खास बात यह है कि इस योजना का लाभ केवल घरों में रहने वाले बुजुर्ग ही नहीं, बल्कि वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्ग भी उठा रहे हैं। जिले के वृद्धाश्रमों में कुल 84 बुजुर्ग निवास कर रहे हैं। इनमें से 34 बुजुर्ग ऐसे हैं, जो आश्रम में रहते हुए भी वृद्धा पेंशन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। जो इसका लाभ नहीं ले पा रहे है उसमें ऐसे बुजुर्ग है, जिसके पास आधार कार्ड नहीं है,और नहीं उनके पास पूरे कागजाद नहीं हो पाए है। यहीं नहीं कि 63793 में से इस 14 हजार बुजुर्गों की पेंशन हीं आई है, अभी भी समाज कल्याण विभाग कार्यालय में वृद्धा अपनी पेंशन पाने के लिए रोजना चक्कर लगाते है। समाज कल्याण अधिकारी नागेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पात्र बुजुर्गों को योजना से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि कोई भी जरूरतमंद इस सुविधा से वंचित न रह जाए। पेंशन सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जा रही है, वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों के लिए यह पेंशन विशेष रूप से सहायक साबित हो रही है। इससे वे अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं को बिना किसी पर निर्भर हुए पूरा कर पा रहे हैं। पेंशन मिलने से बुजुर्गों का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे खुद को अधिक सम्मानित महसूस करते हैं।

नील गाय पर फायर करने वाला गिरफ्तार

पुलिस ने बंदूक बरामद की

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस ने नील गाय पर गोली चला कर जानसे मारने का प्रयास करने वाले युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बंदूक बरामद की है। थाना राया के गांव आयराखेड़ा-दुनेटिया जाने वाले मार्ग पर केडी पब्लिक स्कूल के समीप वहां से गुजरने वाली एक नील गाय पर किसी ने गोली चला दी। गोली लगने से नील गाय जंगल में भाग गई। गोली चलने की आवाज सुनकर ग्रामीणों को आता देख गोली चलाने वाला युवक बाइक छोड़कर वहां से भाग गया था। इस मामले में पुलिस को शिकायत दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद मुकदमा दर्ज करने के बाद अभियुक्त को गिरफ्तारी के लिए दबिश दी।

पुलिस ने नील गाय पर गोली चलाने वाले युवक को बरेली हाईवे पर आयराखेड़ा बम्बे की पटरी के समीप से घटना में वांछित युवक राकेश निवासी अवैरनी थाना बल्देव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नील गाय पर गोली चलाने वाली बारूदी टोपीदार बंदूक बरामद की है।

मॉडिफाइड साइलेंसर और कार से स्टंट करने वालों पर हो कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। बृज यातायात एवं पर्यावरण जनजागरूकता समिति उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित के नेतृत्व में यातायात पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार तिवारी को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि कुछ युवाओं द्वारा यातायात नियमों की खुलेआम अवहेलना करते हुए मॉडिफाइड वाहनों (विशेषकर थार, स्कॉर्पियो आदि) कारों से खतरनाक स्टंट किए जा रहे हैं। इन स्टंट्स के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिससे अन्य युवाओं में भी गलत संदेश जा रहा है तथा इस प्रकार की गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है। ज्ञापन में मॉडिफाइड साइलेंसर एवं नियम विरुद्ध वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने एवं कार स्टंट करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित करने की मांग की। यातायात पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने प्रतिनिधिमंडल को कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने वाले में महिला जिलाध्यक्ष ममता शर्मा, बंशी लाल शर्मा, मनीष दयाल, बृजेश शर्मा, सुनील शर्मा तथा मनीष शर्मा आदि शामिल थे।

गोवर्धन, छाता और मांट तहसील में लगा संपूर्ण समाधान दिवस

194 शिकायतों में सिर्फ चार का किया मौके पर निस्तारण

छाता में आयोजित समाधान दिवस के दौरान एसडीएम वैभव गुप्ता लोगों की शिकायतें सुनते हुए। संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम दीपिका मेहर फरियादियों की समस्या सुनते हुए।

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन, छाता/मांट (मथुरा)। गोवर्धन तहसील सभागार में शनिवार को 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आगरा जोन के कमिश्नर नागेंद्र प्रताप सिंह और डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने की। प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से यह शिविर लगाया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी सिपी सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार भी मौजूद रहे। विभिन्न विभागों के अधिकारी अपनी टीमों के साथ तहसील परिसर में उपस्थित रहे और शिकायतों का मौके पर परीक्षण कर समाधान का प्रयास किया। समाधान दिवस में कुल 100 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें राजस्व, भूमि विवाद, पुलिस प्रशासन, विकास खंड एवं पंचायत, विद्युत

कमिश्नर नागेंद्र प्रताप सिंह और डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

छाता के समाधान दिवस में 52 शिकायतें, मांट में 42 शिकायतें दर्ज

गैर–हाजिर अधिकारियों को 'कारण बताओ' नोटिस

विभाग और नगर निकाय से जुड़े मामले प्रमुख रहे। कमिश्नर नागेंद्र प्रताप सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी शिकायतों का एक सप्ताह के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय और एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस मामलों की समीक्षा करते हुए निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी सिपी सिंह ने स्पष्ट किया कि सभी निस्तारण रिपोर्ट समय से पोर्टल पर अपलोड की जाए और लापरवाही पर जवाबदेही तय होगी।

छाता तहसील परिसर में समाधान दिवस के दौरान 52 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें राजस्व विभाग, पुलिस, विकास खंड और नगर निकाय से संबंधित मामले प्रमुख थे। उपजिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

समाधान दिवस में कई विभागों के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर उपजिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने गैर–मौजूद अधिकारियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ 'कारण बताओ नोटिस' जारी करने के आदेश दिए। एसडीएम ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में रुचि न लेने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर तहसीलदार सचिन पंवार, नायब तहसीलदार शिव शंकर, सीओ भूषण वर्मा और खंड विकास अधिकारी नरेश कुमार तथा आपूर्ति निरीक्षक मोहन प्रकाश उपाध्याय उपस्थित थे। तहसील मांट सभागार में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। अध्यक्षता करते हुए उपजिलाधिकारी दीपिका मेहर के निर्देशन में समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। जिसमें में 42 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें अवैध कब्जे, चकरोड़ विवाद, लेखपाल और पुलिस से जुड़ी समस्याएं आई। एसडीएम ने सभी विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में एक–एक शिकायत को गंभीरता से सुना और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। चार शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए तय समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।एसडीएम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान राजस्व, पुलिस एवं विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

तमंचा और चाकू बरामद दो शातिर गिरफ्तार

यूनिक समय मथुरा। हाईवे पुलिस ने दो शातिर अभियुक्तों को अलग–अलग स्थानों से तमंचा और चाकू बरामद कर गिरफ्तार किया है। हाईवे पुलिस ने चेकिंग के दौरान बालाजीपुरम पेट्रोल पंप के समीप से अभियुक्त सुदंर उर्फ सोरन्द्र सिंह निवासी जयसिंहपुरा थाना गोविंदनगर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक देशी तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। इसके साथ ही पुलिस ने बालाजीपुरम जाने वाले कच्चे रास्ते के समीप से संदीप निवासी बालाजीपुरम के गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक चाकू बरामद किया है।

जेल से छूटे बंदियों ने प्रशासन से लगाई सुरक्षा की गुहार

समाधान दिवस में पहुंचा परिवार।

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। गांव नरी के रहने वाला एक परिवार तहसील के समाधान दिवस में पहुंचा। जो कि हत्या जैसे गंभीर मामलों में जमानत पर रिहा हुए हैं।

बंदियों के सामने अब एक नई और चुनौतीपूर्ण स्थिति खड़ी हो गई है। जेल की सलाखों से बाहर आने के बाद इन लोगों के मन में अपनों के बीच लौटने की तीव्र इच्छा तो है, लेकिन समाज के आक्रोश और 'रंजिश' के डर ने उनके कदमों को थाम दिया है।

हाल ही में सभी लोगों ने

घर वापसी चाहते हैं, पर जान का खतरा है

अधिकारियों को पत्र सौंपकर अपनी सुरक्षा और जान–माल की रक्षा की गुहार लगाई है। न्याय की गुहार लगाने वाले देवेंद्र और उसकी मां का कहना है कि 10 महीने से बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। पूरा परिवार रात्रि में रिश्तेदारी में रहकर जीवन जी रहा है, घर जाने की विशेष इच्छा है पर जान माल का खतरा बना हुआ है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही घर वापस कराया जाएगा।

नारद जयंती पर मेधावी छात्रों के सम्मान का लिया संकल्प

यूनिक समय, मथुरा। जगन्नाथपुरी स्थित सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के कैंप कार्यालय में विश्व के प्रथम संदेश वाहक श्री नारद मुनि का जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित मुकुट मनी शर्मा ने की। इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा एडवोकेट, सचिव नारायण प्रसाद शर्मा सहित सभी उपस्थित जनों ने नारद मुनि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

सचिव नारायण प्रसाद शर्मा ने कहा कि नारद मुनि भगवान विष्णु के परम भक्त और तीनों लोकों में संदेशवाहक के रूप में प्रसिद्ध देव ऋषि थे, जिन्होंने धर्म स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पंडित सोहनलाल शर्मा ने उनके जीवन आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए निरंतर भक्ति और सत्य संदेश के महत्व को बताया। बैठक में निर्णय लिया गया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही भगवान परशुराम शोभायात्रा में अधिक से अधिक सहभागिता का आह्वान किया गया। अगले कार्यक्रम की तिथि आगामी बैठक में तय की जाएगी।

कार्यक्रम में सुरेंद्र शर्मा, दिवाकर आचार्य, दिलीप पांडे, जयप्रकाश शर्मा, दिनेश मैथिल, इंजीनियर जयप्रकाश मैथिल, पंकज शर्मा, मुरलीधर शर्मा, बिहारी लाल गोस्वामी और महेंद्र दत्त आचार्य सहित कई विप्रजन उपस्थित रहे।

सूचना

मैं रजनी पत्नी श्री अनिल निवासी कृष्ण विहार कॉलोनी रोड मथुरा मेरी एक ओर्जिनल रजिस्ट्री जो 20.8.2018 को क्रय किया गया था जिसका वही संख्या 1 जिल्द संख्या 14251 के पृष्ठ 1 से 30 तक क्रमांक 11709 दिनांक 20.8.2018 की रजिस्ट्री जो की राजो पत्नी धर्मवीर के नाम पर थी 15.04.2026 को रास्ते में जाते समय कही खो गयी है जिसका प्रयोग अवैध होगा जिस किसी को भी रजिस्ट्री मिले वो सम्पर्क करें 7078688553

सूचना

मैं सुंदर सिंह, मेरी पुरानी मूल ओर्जिनल रजिस्ट्री 20.01.2012 को राजेंद्र सिंह पुत्र सरदार सिंह, रुचिर गोयल पुत्र कमलकांत अग्रवाल स्वयं और एक साझेदारी फर्म विष्णु असोशीएट्स के फर्म के साथी (बिक्री पत्रक निष्पादन के लिए अधिकृत) द्वारा अजीत सिंह पुत्र श्री जगत सिंह के पक्ष में निष्पादित, जो उप-पंजीयक के पास पंजीकृत है, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 8072, पृष्ठ संख्या 209–228, दस्तावेज संख्या 1101, प्लॉट संख्या 72, क्षेत्रफल 97.59 वर्ग मीटर, कहीं रास्ते में खो गयी है. जिसका उपयोग अवैध होगा।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that I, PETER FRANCIS WESTERVELT also known by name GOPI JANA VALLABHA S/O Benjamin F Westervelt Resident at Gopinath Bhawan, Ranapat Ghat, Sewa Kunj, Vrindavan Distt-Mathura, P.C - 281121 (U.P.) is applying to The Secretary Government of India, Ministry of Home Affairs, NEW DELHI, for naturalization and that any person who knows any reason why naturalization should not be granted, send written signed statement of facts to said Secretary.

PETER FRANCIS WESTERVELT

स्थापित एवं संचालित श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल रजि. मथुरा
ब्रज चिकित्सा संस्थान स्कूल ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडीकल कॉलेज, मथुरा
RECOGINISED BY INDIAN NURSING COUNCIL, NEW DELHI
AFFILIATED TO ATAL BIHARI VAJPAYEE MEDICAL UNIVERSITY, LUCKNOW (COLLEGE CODE: 2810069)
AFFILIATED TO U.P. STATE MEDICAL FACULTY, LUCKNOW (COLLEGE CODE: 0221)
B.Sc. नर्सिंग एवं अन्य कोर्सों में प्रवेश प्रारम्भ- 2026-27
योग्यता : इण्टरमीडिएट

COURSES OFFERED	PERIOD	ELIGIBILE CRITERIA
B.Sc. नर्सिंग (बैचलर ऑफ साइन्स इन नर्सिंग)	4 Year	भौतिक रसायन-जीव विज्ञान के साथ
GNM (जनरल नर्सिंग एण्ड मिडवाइफरी)	3 Year	विज्ञान/कला विषयों के साथ
ANM (ऑक्जीलरी नर्स एण्ड मिडवाइफरी)	2 Year	विज्ञान/कला विषयों के साथ
OTT (डिप्लोमा इन ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन)	2 Year	विज्ञान विषयों के साथ

नर्सिंग कॉलेज परिसर में स्वयं का मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल
• जनरल मेडिसिन विभाग • आई.सी.यू.
• हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ • एक्स-रे सुविधा
• शल्य चिकित्सा विभाग • पैथोलॉजी सुविधा
• स्त्री एवं प्रसूति विभाग • डायलिसिस यूनिट
• चर्म रोग एवं केश रोग विभाग • अल्ट्रासाउण्ड विभाग
• नवजात एवं बाल रोग विभाग • 24X7 आपातकालीन विभाग
सुविधायें - सीटें सीमित
• न्यूनतम प्रशिक्षण शुल्क
• गर्ल्स हॉस्टल की सुविधा
• आर.ओ. व मीठे पानी की सुविधा
• जनरेटर की सुविधा
• बस सुविधा
• एयर कूल्ड कक्षायें
• सरकार द्वारा छात्रवृत्ति की सुविधा
मुख्य विशेषतायें
अनुभवी प्राध्यापक अध्यापक | शहर के मध्य स्थित कॉलेज
पूर्ण सुसज्जित लैब | स्मार्ट क्लासेज
ऑडियो/वीडियो फैसिलिटीज | स्वयं का अस्पताल एवं विभिन्न आधुनिक अस्पतालें से सम्बन्धता
सभी अभ्यार्थी जल्द से जल्द कॉलेज में आकर अपना पंजीकरण करायें।
सम्पर्क स्थल : दरेसी रोड, मथुरा (श्री कृष्ण जन्म स्थान के पास) फोन : 9997905954, 8979726557, 8979504557
E-mail: bcssnpc@gmail.com Web.: www.brijchikitsasansthan.org

यमुना नाव संचालन को नाविकों को बड़ी राहत

रजिस्ट्रेशन शुल्क 5000 से घटाकर 1500 रूपये किया

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में यमुना नदी में नाव संचालन को लेकर बनी अनिश्चितता अब समाप्त होती दिख रही है। जिला प्रशासन और नगर निगम की नाविकों व नागरिकों के साथ हुई अहम बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सबसे बड़ा फैसला नावों के रजिस्ट्रेशन शुल्क को 5000 रुपये से घटाकर 1500 रुपये करने पर सहमति से लिया गया, जिससे नाविक समुदाय को बड़ी राहत मिली है।

इस बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) पंकज कुमार वर्मा, महापौर विनोद अग्रवाल और अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने नाविकों और नागरिकों के साथ बिंदुवार चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया।

नाविकों को संबोधित करते अपर जिलाधिकारी वित्त–राजस्व पंकज वर्मा। साथ हैं महापौर विनोद अग्रवाल।

बैठक में यात्री किराया, नावों की क्षमता, संचालन व्यवस्था और सुरक्षा मानकों पर विस्तार से विचार–विमर्श हुआ। अधिकारियों और नाविकों के बीच सकारात्मक चर्चा के बाद अधिकांश बिंदुओं पर सहमति बन गई, जिससे यमुना में नाव संचालन जल्द शुरू होने की संभावना बढ़ गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सभी नावों में लाइफ जैकेट सहित सुरक्षा उपकरण अनिवार्य होंगे। साथ ही यात्रियों की संख्या निर्धारित की जाएगी और किराए का भी नियमन किया जाएगा ताकि किसी प्रकार की अनियमितता न हो।

प्रशासन–नगर निगम में सहमति

सुरक्षा नियम होंगे और सख्त

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वृंदावन में हाल ही में हुए नाव हादसे के बाद सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। अब प्रशासन वृंदावन से गोकुल तक नाव संचालन को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया तेज कर रहा है।

इस पूरी प्रक्रिया के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि अधिक नाविक पंजीकरण कराएंगे और यमुना में नाव संचालन एक बार फिर सुचारू रूप से शुरू हो सकेगा।

पार्किंग वालों से रंगदारी मांगने पर यू ट्यूबर गिरफ्तार

यूनिक समय मथुरा। कोकिलावन में पार्किंग से अवैध वसूली करने वाले एक यू ट्यूबर को पार्किंग वालों से छह–छह हजार रुपये की अवैध वसूली करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि यू ट्यूबर ने चौकी इंचार्ज कोकिलावन के साथ भी अभद्रता की। शनिवार को (आज) कोकिलावन में शनिदेव के दर्शनों को लेकर वहां लोगों की भारी भीड़ रहती है। वहां वहानों को पार्क करने के लिए भी कई पार्किंग बनी हुई है। बताया गया कि गोपाल बाग कोसीकलां इलाके में रहने वाला यू ट्यूबर लोकेश आज कोकिलावन में कन्हैया निवासी जाब की पार्किंग में पहुंचा और उससे छह हजार रुपये की रंगदारी मांगी। इस बात का पता लगने पर अन्य पार्किंग वालों ने भी पार्किंग बंद कर दी और कोकिलावन चौकी पर पहुंचकर यू ट्यूबर के खिलाफ हर सप्ताह इस तरह की वसूली करने की शिकायत की। आरोप है कि पार्किंग वालों के खिलाफ गलत खबरे चलाकर यू ट्यूबर ने दबाव बना रखा था। इस शिकायत पर जब चौकी इंचार्ज कुंजन चौधरी ने यू ट्यूबर को बुलाया तो उसने चौकी पर पहुंचकर उनके साथ भी अभद्रता की। पुलिस ने पार्किंग वालों की शिकायत पर यू ट्यूबर को गिरफ्तार कर लिया है।

यू ट्यूबर ने चौकी पर चौकी इंचार्ज से भी की बदसलूकी

लोधी समाज को संगठित होने का आह्वान

वृंदावन में आयोजित लोधी समाज के कार्यक्रम में सांसद डॉ. सच्चिदानंद हरि साक्षी महाराज के साथ अन्य।

यूनिक समय, वृंदावन। परिक्रमा मार्ग स्थित संत नगर कालोनी में श्री लोधी आयोजन शौर्य, संकल्प एवं सामाजिक चेतना के साथ संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि उन्नाव के सांसद एवं आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. सच्चिदानंद हरि साक्षी जी महाराज ने लोधी समाज को संगठित होने का आह्वान किया। उन्होंने लोधी समाज के पूर्वजों द्वारा स्थापित इस पावन धर्मशाला को 'सामाजिक अस्मिता का प्रतीक' बताते हुए इसके जीर्णोद्धार के लिए अपने निजी कोष से पांच लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की। फर्रुखाबाद के सांसद मुकेश राजपूत ने वृंदावन की पवित्र धरा पर आगमन को अपना सौभाग्य बताया। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि विगत कुछ समय से भू–माफियाओं की कुदृष्टि समाज की इस अमूल्य धरोहर पर है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "जब तक हम स्वयं अपनी विरासत की रक्षा नहीं करेंगे, तब तक बाहरी तत्व अतिक्रमण का दुस्साहस करते रहेंगे। बैठक की अध्यक्षता भक्ती आनंद जी महाराज ने की। मंच का संचालन डॉ. राजेंद्र लोधी ने किया बैठक में विधायक देवेंद्र सिंह, विधायक कैलाश सिंह, विधायक वीरेंद्र सिंह, विधायक हरिओम वर्मा, विधायक सीपी सिंह, विधायक वीरू राजपूत, पूर्व विधायक कृष्णपाल सिंह, ओमप्रकाश (आरटीओ) सहित ट्रस्ट अध्यक्ष मंगल सिंह लोधी, महामंत्री बाबूलाल, महावीर प्रधान, सतीश राजपूत, भजनलाल, मनोहर पटेल, खेमचंद एडवोकेट, कलुआ एडवोकेट, राजन (सीए), गोवर्धन प्रधान, मास्टर शिवलाल एवं विवेक एडवोकेट आदि उपस्थित थे।

परिवर्तन फाउंडेशन से जरूरतमंद बच्चों को मिलीं नई किताबें

बच्चों के साथ परिवर्तन फाउण्डेशन के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में परिवर्तन फाउंडेशन का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य समाज के वंचित और जरूरतमंद बच्चों तक शिक्षा पहुंचाना है। इस अवसर पर चंपा अग्रवाल बाल मंदिर में 12 विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र के लिए पुस्तक सेट वितरित किए गए। फाउंडेशन के सदस्य नमित मित्तल ने बताया कि संगठन का मुख्य लक्ष्य आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। आशीष गर्ग ने कहा कि शुरुआत 10 सदस्यों के साथ की गई है और आगे सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।

इस मौके पर मोहित गर्ग, उदित गोयल, सुधांशु गोयल, रवि अग्रवाल और राहुल अग्रवाल सहित कई सदस्यों ने सहयोग दिया। वहीं महिला सदस्यों राखी मित्तल, अंशु गोयल, शालिनी गर्ग, शालिनी गोयल, सीमा अग्रवाल और प्रियंका गर्ग की भी सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में शिक्षा के प्रति जागरूकता और सामाजिक बदलाव का संकल्प लिया गया।

बाइक से गिरी महिला को ट्रैक्टर ट्रॉला ने रौंदा, मौत

यूनिक समय, फरह। शनिवार की दोपहर बेटे के साथ बाइक से जा रही महिला बाइक का संतुलन बिगड़ने से सड़क पर गिर गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉला ने महिला को रौंद दिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

आगरा जनपद के थाना खेरागढ़ के गांव नगला विष्णु की रहने वाली रतन देवी दोपहर करीब 12 बजे अपने बेटे के साथ बाइक पर सवार होकर पलवल के गांव सोहना जा रही थी। कस्बा स्थित रेलवे फाटक के समीप अचानक मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ने से महिला नीचे गिर गई, तभी पीछे से आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉला ने महिला को रौंद दिया, इससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा होते ही भीड़ जमा हो गई। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर–ट्रॉला चालक को हिरासत में ले लिया और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल ने बताया कि मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ने से महिला सड़क पर गिर गई थी, तभी पीछे से आ रहे ट्रैक्टर–ट्रॉला ने उसे रौंद दिया, जिस कारण महिला की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर ट्रॉला चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

निराश लौटे जावेद को केडी हॉस्पिटल में मिली नई जिंदगी

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां निवासी जावेद पुत्र इकबाल को दिल्ली में इलाज से निराशा मिलने के बाद केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में नई जिंदगी मिली। विशेषज्ञ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमा शर्मा ने जावेद की कमर में मौजूद 12 सेंटीमीटर की बड़ी कैंसर गांठ को सफलतापूर्वक निकाल दिया। लगभग छह घंटे चले इस जटिल ऑपरेशन में डॉ. तेजा, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. जयेश, डॉ. मंजू, टेक्नीशियन शिवम और शुभम की टीम ने सहयोग किया।

जावेद लंबे समय से कमर में बढ़ती गांठ से परेशान था, जो धीरे–धीरे उसकी रीढ़ और कूल्हे तक फैल गई थी। दिल्ली में जांच के बाद डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिजन 22 अप्रैल को उसे केडी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। यहां डॉ. उमा शर्मा ने एमआरआई जांच के बाद पुष्टि की कि यह नसों से जुड़ा कैंसर ट्यूमर है। 25 अप्रैल को चिकित्सकों की टीम ने सफल ऑपरेशन कर ट्यूमर को पूरी तरह निकाल दिया। डॉ. उमा शर्मा ने बताया कि ट्यूमर को सुरक्षित मार्जिन के साथ हटाया गया है ताकि दोबारा समस्या न हो।

जावेद और उसकी सर्जरी करने वाली विशेषज्ञ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमा शर्मा एवं टीम के सदस्य।

12 सेंटीमीटर कैंसर गांठ का सफल ऑपरेशन

ऑपरेशन के बाद जावेद ने कहा, अब मैं चैन से सो सकूंगा, केडी हॉस्पिटल ने मुझे नई जिंदगी दी है। केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, डीन व प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह और विभागाध्यक्ष सर्जरी डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने डॉ. उमा शर्मा और उनकी टीम को सफल सर्जरी के लिए बधाई दी और मरीज के स्वस्थ जीवन की कामना की।

समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत)का शुभारंभ

सुप्रीम कोर्ट में होंगे लंबित मामलों के निपटारे के प्रयास

यूनिक समय, मथुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा के जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष विकास कुमार के निर्देशन में आमजन को सूचित किया गया है कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों के समाधान के लिए समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 21 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होकर 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत के रूप में संपन्न होगा।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनीता सिंह ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य आपसी सहमति और मध्यस्थता के माध्यम से न्याय को सरल और सुलभ बनाना है। मामलों के निस्तारण के लिए सुलह बैठकों का आयोजन राज्य, जिला, तालुका एवं उच्च न्यायालय स्तर पर मध्यस्थता केंद्रों में किया जाएगा।

इस अभियान में अधिवक्ता, वादकारी और संबंधित पक्ष भाग ले सकेंगे। सहायता के लिए वन स्टॉप सेंटर इंचार्ज, सीआरपी निदेशक एवं सुप्रीम कोर्ट के हेल्पलाइन नंबर तथा ईमेल के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम में प्रशिक्षित मध्यस्थ एवं न्यायिक अधिकारी सहयोग करेंगे।

दिमाग को समय से पहले बूढ़ा बना रहा है डिप्रेशन

यूनिक समय, मथुरा। फिट रहने के लिए मेंटल हेल्थ भी फिजिकल हेल्थ के जितनी ही महत्वपूर्ण है। एक नई स्टडी में पता चला है कि डिप्रेशन, तनाव और चिंता में रहने से दिमाग की संरचना बदल जाती है और इंसान दिमाग से बूढ़ा हो जाता है।

आजकल शरीर से ज्यादा दिमाग का इस्तेमाल हो रहा है। पहले जहां ज्यादातर लोग शारीरिक श्रम करके आजीविका चलाते थे, वहीं अब व्हाइट कॉलर जॉब वाले लोगों की संख्या बढ़ गई है। घंटों कंप्यूटर पर आंखें गढ़ाकर काम करने वाले लोगों का दिमाग शरीर से ज्यादा इस्तेमाल होने लगा है। जिसकी वजह से मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याएं भी तेजी से बढ़ने लगी हैं। लाइफ में तनाव इतना बढ़ गया है कि बड़ी संख्या में लोग डिप्रेशन के शिकार हो रहे हैं। अब एक स्टडी में सामने आया है कि यही डिप्रेशन और तनाव दिमाग को समय से पहले बूढ़ा बना रहा है।

साइकोलॉजिकल मेडिसिन नाम की एक मैग्जीन में छपी एक स्टडी में

बताया गया है कि अवसादग्रस्त लोगों का मस्तिष्क उनकी वास्तविक आयु से अधिक बूढ़ा नजर आ सकता है। जिससे दिमाग का कॉग्निटिव डिक्लाइन हो रहा है। ऐसी स्थिति में इंसान की याददाश्त पर असर पड़ता है। क्रिटिकल थिंकिंग और कई तरह की दूसरे जरूरी संज्ञानात्मक कार्य कम हो जाते हैं। दिमाग की उम्र बढ़ने से डिमेंशिया और अल्जाइमर जैसी न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है।

मेजर डिप्रेसिव डिसऑर्डर, जो एक क्लीनिकल मेंटल डिसॉर्डर है, ये सिर्फ कुछ समय के लिए मूड को लो नहीं करता बल्कि इससे मस्तिष्क की संरचना में भी बदलाव आने लगता है। इससे दिमाग समय से पहले बूढ़ा होने लगता है। जिससे व्यक्ति की वास्तविक उम्र से कहीं अधिक उम्र दिखाई देती है। इस रिसर्च में 670 व्यक्तियों के मस्तिष्क स्कैन का विश्लेषण किया गया, जिसमें से 239 अवसाद से पीड़ित थे और बाकी बिना अवसाद के थे। उन्होंने अलग अलग दिमाग के एरिया की मोटाई का आकलन करके मस्तिष्क की आयु का अनुमान लगाया।

जिससे पता चला कि रियल में डिप्रेशन से पीड़ित लोगों का मस्तिष्क उन लोगों की तुलना में बहुत अधिक बूढ़ा दिखाई देता है, जिनकी मेंटल कंडीशन को ठीक नहीं किया गया था। ऐसे लोगों के मस्तिष्क की संरचना में ही परिवर्तन पाए गए। खासतौर से बाएं वेंट्रल क्षेत्र और प्रीमोटर आई फील्ड के कुछ हिस्सों में पतलेपन की समस्या देखी गई।

अध्ययन में मस्तिष्क के कुछ क्षेत्रों में पतलेपन के पीछे के कारणों को भी समझाया गया है। शोधकर्ताओं ने मस्तिष्क के पतलेपन और डोपामाइन, सेरोटोनिन और ग्लूटामेट जैसे न्यूरोट्रांसमीटर के स्तर के बीच संबंध पाया है। ये मूड और संज्ञानात्मक क्षमताओं को प्रबंधित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। जब कोई व्यक्ति उदास होता है, तो इन न्यूरोट्रांसमीटर के स्तर असंतुलित हो जाते हैं, जिससे मस्तिष्क की संरचना में परिवर्तन होता है। इसके अलावा, प्रभावित क्षेत्रों में कुछ जीन भी सक्रिय हो सकते हैं, जो प्रोटीन बाइंडिंग को प्रभावित करते हैं।

एलोवेरा जैल के साथ इन चीजों को मिक्स कर लगाएं

यूनिक समय, मथुरा। दादी–नानी के जमाने से एलोवेरा जैल को त्वचा पर लगाने की सलाह दी जाती है। आइए स्किन ग्लो के लिए इसे स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बनाने के सही तरीके के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

एलोवेरा जैल में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी स्किन के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। अगर आप भी त्वचा के निखार के लिए पार्लर में जाकर महंगे–महंगे ट्रीटमेंट्स पर पैसे खर्च करते हैं, तो आपको दादी–नानी के इस घरेलू नुस्खे को जरूर ट्राई करके देखना चाहिए। आइए एलोवेरा जैल को त्वचा के लिए इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में जानते हैं। सबसे पहले एक कटोरी में एलोवेरा जैल निकाल लीजिए। अब इसी कटोरी में शहद और गुलाब जल भी निकाल लीजिए। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको इसमें नारियल का तेल और विटामिन ई कैप्सूल भी एड करना चाहिए। अब आपको इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है। इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर और गर्दन वाले हिस्से पर अच्छी तरह से अप्लाई कर लीजिए। त्वचा के खोए हुए निखार को वापस पाने के लिए आपको इस फेस पैक को लगभग 15 से 20 मिनट तक लगाए रखना है। 20 मिनट के बाद आप ठंडे पानी से फेस वॉश कर सकते हैं। मुंह धोने के बाद आपको खुद–ब–खुद पॉजिटिव असर महसूस होने लगेगा। आप इस फेस पैक को एक हफ्ते में एक से दो बार यूज कर सकते हैं। महज एक ही महीने के अंदर आपकी त्वचा की रंगत सुधरने लग जाएगी। ग्लोइंग और फ्लॉलेस त्वचा के लिए आप इस फेस पैक को यूज कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि ये नेचुरल फेस पैक त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में कारगर साबित हो सकता है। हालांकि, इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से पहले आपको पैच टेस्ट करना नहीं भूलना चाहिए।

कई गुना बढ़ जाएगा त्वचा का निखार

अनानास की चटक चटनी खोल देगी आपके सारे टेस्ट बड्स

यूनिक समय, मथुरा। धनिया, नारियल और पुदीने जैसी चीजों की चटनी तो आपने खूब खाई होगी लेकिन, क्या आपने अनानास की चटनी खाई है? आइए जानते हैं इसकी इस रेसिपी के बारे में

दरअसल, ये चटनी स्वाद में खट्टी–मीठी सी होती है। इस चटनी को आप पराठा या पूड़ी जैसी चीजों के साथ भी आ खा सकते हैं।

दरअसल, अनानास की चटनी को आप कई प्रकार से बना सकते हैं लेकिन, इसकी सबसे फेमस रेसिपी को लोग खूब पसंद करते हैं। इस रेसिपी में आपको आग पर अनानास को भून लेना और फिर इससे चटनी बनानी है। तो, आइए जानते हैं इसकी इस रेसिपी के बारे में.....

अनानास की चटनी बनाने के लिए पहले तो अनानास को आग में भून लें। इसके लिए गैस पर अनानास को धीमी आंच पर रख दें और फिर इसे उल्टा करके हर साइड से पकाएं।

जब ये हर तरफ से पक जाए तो इसे गैस से उतारकर ठंडा कर लें और फिर इसे चाकू की मदद से छील लें। जब आप इसे छील लेंगे तो इसे काटकर जमा कर लें। फिर हल्का ठंडा होने पर इसे पीसकर रख लें। अब एक दूसरी कड़ाही लें और इसमें थोड़ा सा सरसों का तेल डालें। फिर इसमें सौंफ और सरसों के बीज डालें। करी पत्ता डालें और लाल मिर्च डालें। इसमें अब पीसा हुआ अनानास डाल लें। ऊपर से थोड़ा सा नमक और चीनी डालें। सबको अच्छी तरह से पका लें। जब ये चटनी गाढ़ी होने लगे तो इसे ऐसे ही छोड़ दें।

इसके अलावा आप इस चटनी को दूसरे तरीके से भी बना सकते हैं। आपको करना ये है कि अनानास को काटकर पहले पीस लें और फिर इसमें चाट मसाला, काली मिर्च, जीरा पाउडर और नमक मिला लें। सबको अच्छी तरह से मिला लें। ऊपर से थोड़ा धनिया पत्ता काटकर मिलाएं और फिर इसे सर्व करें। तो, ये थी इस चटनी की फटाफट रेसिपी। तो, अगर आपने कभी ये चटनी नहीं खाई है तो एक बार इसे जरूर ट्राई करें।

ऋषिकेश के पास इन शानदार जगहों पर जाएं घूमने, बनाएँ अपनी ट्रिप को यादगार

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप वीकेंड या 2–3 दिन की ट्रिप का प्लान बना रहे हैं, तो ऋषिकेश आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प है। यह न सिर्फ धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व रखता है, बल्कि यहां की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण भी आपको सुकून से भर देगा। ऋषिकेश को योग की राजधानी कहा जाता है और यहां की वाइब हर किसी को आकर्षित करती है। लेकिन अगर आप ऋषिकेश तक ही सीमित नहीं रहना चाहते और आसपास की खूबसूरत जगहों को भी एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो यहां आपके लिए कुछ शानदार डेस्टिनेशन हैं जो आपकी ट्रिप को और भी खास बना देंगी।

राजाजी राष्ट्रीय उद्यान : प्रकृति प्रेमियों और वाइल्डलाइफ के शौकीनों के लिए यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। ऋषिकेश से मात्र

19 किमी दूर स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान बंगाल टाइगर, सियार, लकड़बग्घा, हिरण और सैकड़ों पक्षियों की प्रजातियों का घर है। यहां जंगल सफारी का आनंद लिया जा सकता है और बच्चों के साथ फैमिली आउटिंग के लिए यह एक आदर्श स्थान है।

कौड़ियाला : प्राकृतिक खूबसूरती से भरपूर कौड़ियाला, ऋषिकेश से लगभग 40 किमी दूर है।

यहां की शांत वादियाँ और गंगा नदी के किनारे फैले दृश्य फोटोग्राफरों और नेचर लवर्स के लिए एक परफेक्ट स्पॉट हैं। कौड़ियाला खासकर रिवर राफ्टिंग के लिए प्रसिद्ध है और सूर्यास्त का दृश्य यहां बेहद मनमोहक होता है।

शिवपुरी : ऋषिकेश से 19 किमी की दूरी पर स्थित शिवपुरी, रोमांच और आध्यात्मिकता का अनोखा संगम है।

यहां गंगा नदी के किनारे कैंपिंग, राफ्टिंग, रैपलिंग, रॉक क्लाइंबिंग जैसी कई एडवेंचर एक्टिविटीज की जा सकती हैं। साथ ही यहां शिव मंदिरों की मौजूदगी से आपको आध्यात्मिक शांति भी मिलेगी।

ब्यासी : यदि आप एडवेंचर और शांति का कॉम्बिनेशन ढूंढ रहे हैं, तो ब्यासी गांव को जरूर एक्सप्लोर करें।

ऋषिकेश से 30 किमी दूर स्थित यह जगह व्हाइट वॉटर राफ्टिंग और बंजी जंपिंग के लिए जानी जाती है। गंगा नदी के किनारे बैठकर सूर्यास्त देखना और ताजगी भरी हवा में सांस लेना यहाँ का अनुभव अविस्मरणीय बनाता है। ऋषिकेश और इसके आसपास की ये खूबसूरत जगहें आपके वीकेंड या शॉर्ट ट्रिप को पूरी तरह रिफ्रेशिंग बना सकती हैं।

सुविचार

गलतियाँ सीखने और आगे बढ़ने के अवसर हैं।

कल का पंचांग

तिथि	द्वितीया	12:50-03:02 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	अनुराधा	04:35-07:09 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय		5:42 AM	चन्द्रोदय	08:37 PM
सूर्यास्त		6:49 PM	चंद्रास्त	06:57 AM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त		11:49AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:05-04:53
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:11 PM: 06:49 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

25 मई को मनेगा गंगा अवतरण दिवस

गंगा दशहरा : गंगा स्नान और दान से मिलती मोक्ष की प्राप्ति

यूनिक समय, मथुरा। गंगा दशहरा हिंदू धर्म का एक अत्यंत पवित्र पर्व माना जाता है, जिसे हर वर्ष ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन मां गंगा स्वर्ग से धरती पर अवतरित हुई थीं। इस कारण इसे गंगा अवतरण दिवस भी कहा जाता है। वर्ष 2026 में यह पावन अवसर 25 मई, सोमवार को मनाया जाएगा। इस दिन गंगा स्नान, दान और पूजा का विशेष महत्व होता है, जिससे व्यक्ति को पापों से मुक्ति और पुण्य की प्राप्ति होती है।

पंचांग के अनुसार, इस वर्ष ज्येष्ठ अधिक मास के कारण तिथि का विशेष महत्व बन रहा है। शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 25 मई को प्रातः 04:30 बजे प्रारंभ होकर 26 मई को सुबह 05:10 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के अनुसार गंगा दशहरा 25 मई को ही मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:04 बजे से 04:45 बजे तक रहेगा, जबकि सूर्योदय 05:26 बजे होगा।

गंगा दशहरा के दिन स्नान और दान का विशेष महत्व बताया गया है। माना जाता है कि इस दिन गंगा जल में स्नान करने से समस्त पापों का नाश होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यदि कोई व्यक्ति गंगा तट पर स्नान न कर सके, तो घर पर ही गंगाजल मिलाकर स्नान करने से भी समान पुण्य फल प्राप्त होता है। इसके साथ ही दान करने की परंपरा भी इस दिन विशेष रूप से निभाई जाती है, जिसमें अन्न, वस्त्र और जल का दान श्रेष्ठ माना गया है।

इस वर्ष गंगा दशहरा पर कई शुभ योग भी बन रहे हैं। रवि योग पूरे दिन रहेगा, जिसे अत्यंत फलदायी माना जाता है क्योंकि इसमें सूर्य का प्रभाव अधिक होता है और सभी प्रकार के दोष समाप्त हो जाते हैं। इसके अलावा वज्र योग और उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र का संयोग भी इस पर्व की महत्ता को और बढ़ा रहा है। दिन के मध्य में अभिजीत मुहूर्त 11:51 बजे से 12:46 बजे तक रहेगा, जो पूजा और शुभ कार्यों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त माना जाता है। धार्मिक कथाओं के अनुसार, गंगा दशहरा का संबंध राजा भगीरथ की कठोर तपस्या से जुड़ा है। कहा जाता है कि उनके पूर्वजों का उद्धार करने के लिए मां गंगा को पृथ्वी पर लाया गया था। जब गंगा धरती पर अवतरित हुईं, तब उनके स्पर्श मात्र से सगर वंश के 60 हजार पुत्रों को मोक्ष की प्राप्ति हुई।

इसी कारण गंगा को मोक्षदायिनी और पापमोचिनी कहा जाता है। गंगा दशहरा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आस्था, शुद्धता और जीवन में सकारात्मकता का प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रकृति, जल और जीवन के महत्व की भी याद दिलाता है। गंगा को केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवनदायिनी शक्ति के रूप में देखा जाता है।

आज के समय में जब पर्यावरण और जल संरक्षण एक बड़ी चुनौती बन चुका है, तब गंगा दशहरा का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। यह पर्व हमें नदियों की स्वच्छता, संरक्षण और उनके प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने की प्रेरणा देता है।

इस प्रकार गंगा दशहरा 2026 न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमें आध्यात्मिकता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी का भी संदेश देता है। श्रद्धा और आस्था के साथ किया गया गंगा स्नान और दान इस दिन को और भी पवित्र बना देता है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष राशि वालों के लिए आज का दिन थोड़ा व्यस्त रह सकता है। कार्य का दबाव रहेगा, लेकिन उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलने से काम पूरे होंगे।
वृषभ राशि के जातकों के लिए आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है और प्रेम संबंधों में सुधार आएगा।
मिथुन राशि वालों को आज थोड़ा संघर्ष करना पड़ सकता है। छोटे–छोटे काम भी मेहनत मांगेंगे और मित्रों का सहयोग कम मिल सकता है।
कर्क राशि के लोग ऊर्जा और उत्साह से भरे रहेंगे। कार्य क्षमता में वृद्धि होगी, लेकिन नकारात्मक लोगों से दूरी बनाए रखना जरूरी रहेगा।
सिंह राशि के लिए दिन सामान्य से बेहतर रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी और पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।
कन्या राशि के जातक आज अपने काम में गुणवत्ता बढ़ाने पर ध्यान देंगे। जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और आलोचनाओं को सकारात्मक रूप से लेना फायदेमंद रहेगा।
तुला राशि वालों के लिए कला और रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मेहनत से कार्यों के अवरोध दूर होंगे, लेकिन नकारात्मक सोच से बचना होगा।
वृश्चिक राशि के लोगों की कार्य क्षमता बढ़ेगी। परिवार में सम्मान मिलेगा और आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहेगा।
धनु राशि के लिए दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। खर्च बढ़ सकते हैं और पुराने कामों में बाधाएं आ सकती हैं।
मकर राशि वालों को मेहनत का तुरंत फल मिल सकता है। शिक्षा और करियर के क्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है।
कुंभ राशि के जातक आज अपने लक्ष्य को लेकर गंभीर रहेंगे। योजनाएं बनेंगी, लेकिन जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचना होगा।
मीन राशि के लिए दिन सकारात्मक संकेत दे रहा है। यात्रा लाभकारी हो सकती है और मान–सम्मान में वृद्धि होगी।

शादी के गठबंधन में क्यों चुना जाता है गुलाबी रंग?

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय विवाह परंपराओं में हर रस्म का अपना विशेष महत्व होता है, और इन्हीं में से एक अहम रस्म है गठबंधन। यह वह क्षण होता है जब दूल्हा और दुल्हन को एक सूत्र में बांधा जाता है, जो उनके वैवाहिक जीवन की आधिकारिक और आध्यात्मिक शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। यह सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि दो व्यक्तियों, दो परिवारों और दो जीवनों के मिलन का गहरा संदेश देता है। आमतौर पर आपने देखा होगा कि गठबंधन के लिए गुलाबी रंग का कपड़ा इस्तेमाल किया जाता है। इसके पीछे भी एक खास कारण है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुलाबी रंग प्रेम, स्नेह और सौम्यता का प्रतीक होता है। विवाह जैसे पवित्र बंधन में यह रंग दूल्हा–दुल्हन के रिश्ते में मधुरता, संतुलन और भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखने का संकेत देता है। यही वजह है कि इस रंग को नई शुरुआत और रिश्तों की मजबूती से जोड़ा जाता है। गठबंधन की रस्म फेरों से पहले निभाई जाती है, जिसमें दुल्हन के पल्लू को दूल्हे के वस्त्र से बांधा जाता है। यह रस्म अक्सर दूल्हे की बहन द्वारा की जाती है

और इसमें दो गांठें लगाई जाती हैं। ये गांठें असीम प्रेम और अटूट विश्वास का प्रतीक मानी जाती हैं। साथ ही, इसे शुक्र और मंगल ग्रह के शुभ प्रभाव से भी जोड़ा जाता है। इस दौरान गठबंधन में सिक्का, फूल, हल्दी, दूर्वा और चावल जैसी पांच शुभ वस्तुएं भी बांधी जाती हैं, जो समृद्धि, पवित्रता और खुशहाली का संकेत देती हैं। हालांकि कई जगहों पर लाल और पीले रंग का भी उपयोग होता है, लेकिन सफेद और काले रंग को इस रस्म में वर्जित माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, गुलाबी रंग सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने और तनाव को कम करने में भी सहायक होता है। यही कारण है कि नवविवाहित जोड़े के कमरे में भी इस रंग को शुभ माना जाता है। कुल मिलाकर, गठबंधन में गुलाबी रंग सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना का प्रतीक है।

रावण की रहस्यमयी बेटी, विदेशों में पूजी जाती देवी

यूनिक समय, मथुरा। रामायण की कथाएं जितनी व्यापक हैं, उतनी ही विविध भी। जहां भारत में रावण को एक शक्तिशाली लेकिन अहंकारी राजा के रूप में देखा जाता है, वहीं कुछ विदेशी परंपराओं में उससे जुड़ी कहानियां अलग रूप में सामने आती हैं। इन्हीं में एक रोचक कथा उसकी बेटी स्वर्णमत्स्य की है, जिसे भारत के बाहर विशेष रूप से थाईलैंड और कंबोडिया में सौभाग्य की देवी के रूप में पूजा जाता है। स्वर्णमत्स्य का उल्लेख भारतीय मुख्यधारा ग्रंथों जैसे वाल्मीकि रामायण या रामचरितमानस में नहीं मिलता, बल्कि यह कथा दक्षिण–पूर्व एशिया की रामायण परंपराओं में प्रमुख रूप से दिखाई देती है। थाईलैंड की रामकथा रामकियेन और कंबोडिया की रामकेर में स्वर्णमत्स्य को एक सुंदर जलपरी के रूप में चित्रित किया गया है, जिसका शरीर सोने की तरह चमकता है।

कथा के अनुसार, जब भगवान राम की सेना लंका तक पहुंचने के लिए समुद्र पर सेतु बना रही थी, तब रावण ने अपनी बेटी स्वर्णमत्स्य को इसे रोकने का आदेश दिया। वह समुद्र के भीतर जाकर पत्थरों को हटाने लगी,

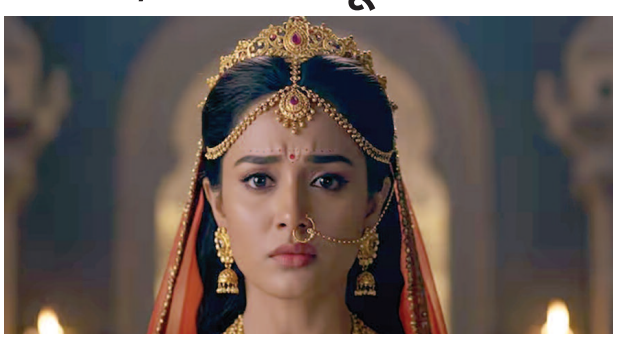

जिससे निर्माण कार्य बाधित होने लगा। लेकिन जब हनुमान ने इसका कारण जाना और उससे सामना हुआ, तो दोनों के बीच संवाद हुआ और धीरे–धीरे स्वर्णमत्स्य हनुमान के प्रति आकर्षित हो गई। हनुमान ने उसे धर्म और सत्य का महत्व समझाया, जिसके बाद उसने अपने पिता का साथ छोड़कर रामसेतु निर्माण में सहयोग किया। इस कथा में स्वर्णमत्स्य को एक सकारात्मक और सौभाग्य लाने वाली शक्ति के रूप में देखा जाता है, इसलिए दक्षिण–पूर्व एशिया में उसकी छवि एक देवी जैसी मानी जाती है। आज भी अंगकोर वाट और वाट फ्रा केओ जैसे मंदिरों की दीवारों और भित्तिचित्रों में स्वर्णमत्स्य के दृश्य उकेरे गए हैं। यहां उसे जलपरी के रूप में दर्शाया जाता है–ऊपरी भाग सुंदर स्त्री का और निचला भाग मछली का। उसकी छोटी–छोटी मूर्तियां और चित्र घरों में भी रखे जाते हैं, जिन्हें सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

दिलचस्प बात यह है कि भारत में रावण की इस बेटी की पूजा नहीं होती, जबकि विदेशों में वह आस्था और संस्कृति का हिस्सा बन चुकी है। यह दर्शाता है कि रामायण की कथाएं केवल एक देश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अलग–अलग संस्कृतियों में नए अर्थ और रूप लेकर जीवित हैं।

इस तरह स्वर्णमत्स्य की कथा न केवल पौराणिक रहस्य को उजागर करती है, बल्कि यह भी बताती है कि आस्था और मान्यताएं समय और स्थान के अनुसार कैसे बदलती रहती हैं।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 5 मई: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई: अपरा एकादशी
- 14 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा
- 3 जून : विभुवन संकष्टी
- 11 जून : परम एकादशी
- 12 जून : शुक्रप्रदोष व्रत
- 13 जून: अधिक मासिक शिवरात्रि
- 15 जून: ज्येष्ठ अधिक अमावस्या, पहली सोमवती अमावस्या
- 18 जून: प्रद्युम्न चतुर्थी
- 25 जून: निर्जला एकादशी
- 27 जून: शनि प्रदोष व्रत
- 29 जून: ज्येष्ठ पूर्णिमा

सम्पादकीय

दागी जनप्रतिनिधियों को सम्मान पर नया निर्णय स्वागत योग्य

लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता की आवाज होते हैं, इसलिए उन्हें विशेष सम्मान और प्रोटोकॉल मिलता है। यह सम्मान व्यक्ति का नहीं, बल्कि उस पद का होता है जिसे वह जनता के विश्वास से प्राप्त करता है। लेकिन जब वही प्रतिनिधि गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपी या दागदार हो जाए, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या उसे वही औपचारिक सम्मान मिलता रहना चाहिए?

पवन गौतम
संपादक

महाराष्ट्र सरकार के हालिया निर्णय ने इस बहस को और तेज कर दिया है। सरकार ने संकेत दिया है कि यदि कोई जनप्रतिनिधि गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपी है या उसकी छवि संदिग्ध है, तो अफसरों को उसे सामान्य प्रोटोकॉल के तहत सम्मान देने की बाध्यता नहीं होगी। यह निर्णय केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की नैतिकता पर एक बड़ा प्रश्न है। कई बार पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ता है जब उन्हें ऐसे जनप्रतिनिधियों के सामने औपचारिक सलामी या सम्मान देना पड़ता है जिनके खिलाफ जांच चल रही होती है। यह स्थिति न केवल असहज होती है, बल्कि व्यवस्था की गरिमा और निष्पक्षता पर भी सवाल उठाती है। लोकतंत्र में कानून का शासन सर्वोपरि है। जब कानून सभी के लिए समान है, तो व्यवहार और प्रोटोकॉल में भी समानता दिखनी चाहिए। यदि कोई व्यक्ति गंभीर आरोपों का सामना कर रहा है, तो उसके प्रति अंधाधुंध औपचारिक सम्मान व्यवस्था की विश्वसनीयता को कमजोर कर सकता है। हालांकि यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि किसी को न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध होने से पहले अपराधी नहीं माना जा सकता। इसलिए यह संतुलन आवश्यक है कि सम्मान पद का बना रहे, लेकिन गंभीर आरोपों के मामलों में प्रोटोकॉल में लचीलापन अपनाया जाए। देशभर में ऐसे कई उदाहरण हैं जहां जनप्रतिनिधियों पर गंभीर मामले लंबित हैं, फिर भी उन्हें पूरा औपचारिक सम्मान मिलता है। इससे जनता के बीच गलत संदेश जाता है कि पद कानून से ऊपर है। यह नया दृष्टिकोण लोकतंत्र को अधिक जवाबदेह बनाने की दिशा में एक कदम माना जा सकता है। यह स्पष्ट करता है कि जनप्रतिनिधित्व केवल अधिकार नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। यदि प्रतिनिधि की छवि दागदार हो जाती है, तो व्यवस्था को भी अपने व्यवहार में संतुलन लाना चाहिए। अंततः यह बहस लोकतंत्र को कमजोर नहीं, बल्कि अधिक पारदर्शी और नैतिक बनाने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

जबलपुर क्रूज हादसा: लापरवाही, सुरक्षा चूक और प्रशासनिक जिम्मेदारी पर सवाल

बोध प्रकाश सगुणी

मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी बांध में हुआ क्रूज हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि पर्यटन सुरक्षा व्यवस्था पर उठता गंभीर प्रश्न बनकर सामने आया है। हाल ही में सामने आए कथित वीडियो ने इस पूरे घटनाक्रम को और अधिक भयावह बना दिया है। वीडियो में जो दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने के लिए काफी हैं–हँसते–खेलते पर्यटक अचानक मौत के मुहाने पर पहुँच जाते हैं, और कुछ ही पलों में पूरा माहौल चीख–पुकार और अफरा–तफरी में बदल जाता है।

यह घटना सिर्फ एक नाव के पलटने की कहानी नहीं है, बल्कि उन व्यवस्थागत खामियों की परतें खोलती है, जिनकी अनदेखी अक्सर पर्यटन स्थलों पर की जाती रही है। सवाल यह है कि आखिर ऐसी नौबत आई ही क्यों? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था? और क्या प्रशासन ने समय रहते चेतावनी संकेतों को गंभीरता से लिया? बताया जा रहा है कि यह क्रूज यात्रा पर्यटकों के लिए एक सामान्य मनोरंजक सैर के रूप में शुरू हुई थी। लोग परिवार और दोस्तों के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने आए थे। लेकिन कुछ ही समय बाद मौसम ने करवट ली और स्थिति अचानक नियंत्रण से बाहर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पानी का दबाव बढ़ने और नाव के असंतुलित होने के बाद स्थिति बिगड़ती चली गई।

जैसे–जैसे नाव झुकने लगी, अंदर मौजूद लोग घबराहट में आ गए। कुछ लोग सीटों को पकड़कर स्थिर रहने की कोशिश करते रहे, तो कुछ अपने बच्चों और साथियों को बचाने की जद्दोजहद में जुट गए। यह वह क्षण था जब मनोरंजन का साधन एक संघर्ष स्थल में बदल गया।

सबसे गंभीर आरोपों में से एक यह है कि नाव में उपलब्ध लाइफ जैकेट या तो सील बंद अवस्था में थीं या समय रहते यात्रियों तक नहीं पहुँचाई गईं। वीडियो में यह भी दावा किया जा रहा है कि स्थिति बिगड़ने के बाद ही क्रू सदस्य उन्हें खोलने की कोशिश करते दिखाई दिए।

यदि यह तथ्य सही साबित होता है, तो यह एक अत्यंत गंभीर सुरक्षा चूक है। किसी भी जल यात्रा में लाइफ जैकेट सबसे प्राथमिक सुरक्षा उपकरण मानी जाती है, जिसे हर यात्री के लिए आसानी से उपलब्ध होना चाहिए। लेकिन यदि आपात स्थिति में उन्हें खोलने या ढूँढने में समय लग जाए, तो उनका महत्व लगभग समाप्त हो जाता है।

रिपोर्टों के अनुसार, क्रूज में लगभग 40 से अधिक लोग सवार थे, जबकि उसकी निर्धारित क्षमता इससे कम बताई जा रही है। यह आरोप यदि सही है, तो यह सीधे–सीधे नियमों के उल्लंघन की ओर इशारा करता है। ओवरलोडिंग न केवल नाव के संतुलन को प्रभावित करती है, बल्कि आपात स्थिति में बचाव कार्य को भी बेहद कठिन बना देती है।

पर्यटन स्थलों पर अक्सर देखा गया है कि अधिक लाभ के लिए क्षमता से अधिक टिकट जारी कर दिए जाते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल असुरक्षित है, बल्कि कई बार जानलेवा भी साबित होती है। एक और महत्वपूर्ण पहलू मौसम की स्थिति से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि उस समय भारतीय मौसम विभाग द्वारा 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया था, जिसमें तेज हवाओं और खराब मौसम की चेतावनी दी गई थी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस अलर्ट को गंभीरता से लिया गया?

यदि चेतावनी के बावजूद नाव को पानी में उतारा गया, तो यह प्रशासनिक और संचालन दोनों स्तरों पर गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। पर्यटन सुरक्षा में मौसम का आकलन सबसे महत्वपूर्ण कारक होता है, और इसकी अनदेखी अक्सर बड़े हादसों को जन्म देती है। हादसे के बाद पुलिस ने वीडियो को साक्ष्य के तौर पर जब्त कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों के आधार पर ओवरलोडिंग और सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की बात सामने आ रही है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या केवल क्रूज संचालक ही जिम्मेदार हैं, या फिर अनुमति देने वाले तंत्र की भी भूमिका की जांच होनी चाहिए? पर्यटन परियोजनाओं में कई स्तरों पर अनुमति और निरीक्षण की प्रक्रिया होती है। यदि किसी स्तर पर ढिलाई बरती गई हो, तो जिम्मेदारी केवल एक पक्ष पर नहीं डाली जा सकती।

वीडियो में जो सबसे मार्मिक दृश्य बताए जा रहे हैं, वे उस समय के हैं जब लोग अपने जीवन को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। कुछ यात्री पानी में गिरते हुए दिखाई देते हैं, कुछ नाव के किनारों को पकड़कर खुद को संभालने की कोशिश करते हैं। यह दृश्य केवल एक हादसे का नहीं, बल्कि मानवीय असहायता का प्रतीक बन जाता है ऐसे क्षणों में प्रशिक्षित बचाव व्यवस्था और त्वरित प्रतिक्रिया जीवन और मृत्यु के बीच अंतर पैदा कर सकती है। लेकिन जब व्यवस्था ही कमजोर हो, तो परिणाम भयावह हो जाते हैं।

यह घटना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि पूरे पर्यटन उद्योग के लिए चेतावनी है। भारत में जल पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन सुरक्षा मानकों का पालन कई जगहों पर कागजों तक सीमित रह जाता है।

यदि ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया गया, तो भविष्य में इनकी पुनरावृत्ति की संभावना बनी रहती है। पर्यटन का उद्देश्य आनंद और अनुभव देना है, न कि भय और त्रासदी। जबलपुर क्रूज हादसा हमें यह याद दिलाता है कि विकास और मनोरंजन के साथ सुरक्षा का संतुलन अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पर्यटन गतिविधि में लापरवाही की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, खासकर तब जब मानव जीवन दांव पर हो।

यह घटना केवल जांच या कार्रवाई तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इससे व्यापक सुधार की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए। सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण, मौसम चेतावनियों का गंभीर अनुपालन और स्टाफ प्रशिक्षण–ये सभी अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता हैं। अंततः, यह हादसा एक कठोर संदेश छोड़ जाता है–प्रकृति, नियम और सुरक्षा को हल्के में लेने की कीमत अक्सर बहुत भारी होती है।

विचार विण्डो

यूपी के अस्पतालों में मरीजों की पीड़ा उजागर

राम कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था आज जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां मरीजों की पीड़ा किसी व्यक्तिगत अनुभव तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह एक सामूहिक हकीकत बन चुकी है। अस्पतालों के गलियारों में इलाज की उम्मीद लेकर आने वाला हर मरीज कहीं न कहीं सिस्टम की कमजोरियों से जूझता हुआ नजर आता है। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब सरकारी दावों और जमीन पर मौजूद सच्चाई के बीच दूरी बढ़ती जाती है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में मरीजों की भीड़, बेड की कमी और बुनियादी सुविधाओं का अभाव आम दृश्य बन चुका है। किसी को पंखा साथ लाना पड़ता है, तो कोई परिजन गत्ते से हवा करता नजर आता है। कई जगहों पर मरीजों को समय पर बेड नहीं मिलते और वे फर्श पर इलाज कराने को मजबूर होते हैं। यह दृश्य केवल एक अस्पताल का नहीं, बल्कि कई जिला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की सच्चाई है।

स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार की ओर से लगातार योजनाओं की घोषणा की जाती है, लेकिन उनका प्रभाव जमीनी स्तर पर उतना स्पष्ट नहीं दिखता। दवाओं की उपलब्धता को लेकर भी मरीजों को अक्सर असुविधा का सामना करना पड़ता है। कई बार सरकारी पर्चों पर लिखी दवाएं उपलब्ध नहीं होतीं और मरीजों को बाहर से खरीदनी पड़ती हैं, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ जाता है।

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में जहां जनसंख्या अत्यधिक है, वहां स्वास्थ्य ढांचे पर दबाव भी स्वाभाविक है। लेकिन यह दबाव व्यवस्था की खामियों को ढक नहीं सकता। मरीजों की बढ़ती संख्या के अनुपात में संसाधनों की कमी एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और अधिक गहरी हो जाती है, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों और उपकरणों की कमी आम बात है।

कई बार अस्पतालों में तकनीकी उपकरण मौजूद तो होते हैं, लेकिन उनका उपयोग या तो प्रशिक्षण की कमी के कारण नहीं हो पाता या फिर रखरखाव के अभाव में वे निष्क्रिय पड़े रहते हैं। यह स्थिति स्वास्थ्य प्रणाली की दक्षता पर सवाल खड़े करती है। यदि संसाधन होने के बावजूद उनका लाभ मरीजों तक नहीं पहुंच पा रहा है, तो यह एक गंभीर प्रशासनिक समस्या है।

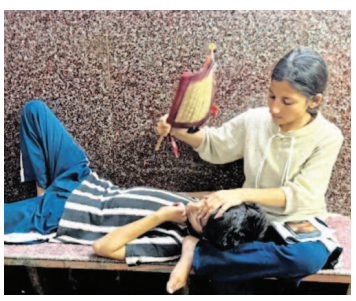

आपातकालीन सेवाओं की स्थिति भी चिंता का विषय बनी हुई है। कई अस्पतालों में इमरजेंसी वार्ड पर दबाव इतना अधिक होता है कि नए मरीजों को संभालना मुश्किल हो जाता है। कभी–कभी एक बेड पर दो से तीन मरीजों को एडजस्ट करना पड़ता है। यह स्थिति न केवल चिकित्सा गुणवत्ता को प्रभावित करती है, बल्कि मरीजों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन जाती है। स्वास्थ्य सेवाओं में निजी और सरकारी क्षेत्र के बीच असमानता भी स्पष्ट दिखाई देती है। जहां एक ओर निजी अस्पताल बेहतर सुविधाओं के साथ कार्य करते हैं, वहीं सरकारी अस्पतालों में संसाधनों की कमी मरीजों को परेशान करती है। इस अंतर के कारण आम नागरिक के लिए इलाज एक आर्थिक चुनौती बन जाता है।

डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका इस व्यवस्था में महत्वपूर्ण है, लेकिन कार्यभार और संसाधनों की कमी के कारण वे भी दबाव में रहते हैं। कई बार सीमित संसाधनों के बीच बेहतर सेवा देने की कोशिश की जाती है, लेकिन व्यवस्था की सीमाएं सामने आ जाती हैं।

मरीजों की सबसे बड़ी अपेक्षा केवल इतना है कि उन्हें समय पर और उचित इलाज मिल सके। वे न तो अत्याधुनिक सुविधाएं मांगते हैं और न ही असाधारण व्यवस्थाएं, बल्कि केवल बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं की उम्मीद रखते हैं। लेकिन जब यह बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं हो पातीं, तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ग्रामीण इलाकों में स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण है, जहां स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच ही बड़ी समस्या है। सड़क, परिवहन और जागरूकता की कमी के कारण कई मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते। इससे छोटी बीमारियां भी गंभीर रूप ले लेती हैं।

यह भी देखा गया है कि स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ हर वर्ग तक समान रूप से नहीं पहुंच पाता। जानकारी की कमी और प्रशासनिक जटिलताओं के कारण कई लोग सरकारी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। यह स्थिति सुधार की आवश्यकता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए केवल नीतियों की घोषणा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत है। अस्पतालों में संसाधनों की उपलब्धता, डॉक्टरों की संख्या, उपकरणों का रखरखाव और दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना समय की मांग है।

मरीजों की पीड़ा को केवल आंकड़ों में नहीं देखा जा सकता। यह हर उस व्यक्ति की कहानी है जो इलाज की उम्मीद लेकर अस्पताल पहुंचता है और व्यवस्था की खामियों से जूझता है। जब तक यह स्थिति बदलेगी नहीं, तब तक स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठने वाले सवाल भी जारी रहेंगे।

अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना केवल एक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक आवश्यकता है। मरीजों को सम्मानजनक और समय पर इलाज देना ही किसी भी विकसित स्वास्थ्य प्रणाली की असली पहचान है।

आईपीएल में जेमिसन को जश्न करना पड़ा भारी

बीसीसीआई ने लगाई कड़ी फटकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का एक मुकाबला खेल के साथ–साथ अनुशासन को लेकर भी चर्चा में आ गया। दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गए मैच में तेज गेंदबाज काइल जेमिसन का आक्रामक जश्न अब उनके लिए परेशानी का कारण बन गया है।

मैच के दौरान जेमिसन ने शानदार शुरुआत करते हुए युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का विकेट हासिल किया। वैभव ने शुरुआत में आक्रामक अंदाज दिखाते हुए चौका लगाया, लेकिन अगली ही गेंद पर वह जेमिसन की इनस्विंग गेंद को समझ नहीं पाए और बोल्ड हो गए। विकेट लेने के बाद जेमिसन का जश्न कुछ ज्यादा ही जोशीला हो गया। उन्होंने बल्लेबाज के पास जाकर तेज आवाज में प्रतिक्रिया दी, जो मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए चौंकाने वाला था। यह आक्रामक व्यवहार खेल भावना के दायरे से बाहर माना गया। इसी वजह से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और आईपीएल प्रबंधन ने इसे गंभीरता से लिया। मैच के बाद जेमिसन को आचार संहिता के लेवल–1 उल्लंघन का दोषी पाया गया और उनके खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट जोड़ दिया गया। साथ ही उन्हें कड़ी फटकार भी लगाई गई।

आईपीएल की आचार संहिता के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी ऐसा व्यवहार नहीं कर सकता जिससे सामने वाला खिलाड़ी भड़क जाए या खेल का माहौल खराब हो। जेमिसन का यह जश्न उसी श्रेणी में आया। हालांकि, अच्छी बात यह रही कि जेमिसन ने अपनी गलती को स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी के फैसले को मान लिया। इससे मामले को आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं पड़ी।दिलचस्प बात यह है कि जेमिसन ने मैच में गेंदबाजी की शुरुआत तो शानदार की, लेकिन बाद में वह लय बरकरार नहीं रख सके। उन्होंने अपने चार ओवर में 48 रन खर्च किए और केवल एक विकेट ही हासिल किया। ऐसे में उनका प्रदर्शन भी मिश्रित रहा। यह घटना एक बार फिर याद दिलाती है कि क्रिकेट सिर्फ कौशल का खेल नहीं, बल्कि संयम और खेल भावना का भी प्रतीक है। मैदान पर उत्साह और आक्रामकता जरूरी है, लेकिन उसकी एक सीमा होती है। जब खिलाड़ी उस सीमा को पार करते हैं, तो उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।

फिल्म राजा शिवाजी का रिव्यू

भव्यता के बावजूद दिल छूने से रह गई शिवाजी फिल्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजा शिवाजी छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित एक महत्वाकांक्षी फिल्म है, जिसे रितेश देशमुख ने निर्देशित किया है और मुख्य भूमिका भी निभाई है। फिल्म में संजय दत्त, विद्या बालन और अभिषेक बच्चन जैसे कलाकार नजर आते हैं।

फिल्म की कहानी छत्रपति शिवाजी के जीवन के प्रमुख पड़ावों को दिखाती है, खासकर उनके "हिंद स्वराज" के सपने को। हालांकि यह एक पारंपरिक बायोपिक की तरह आगे बढ़ती है, जिसमें महान व्यक्तित्व को और महान दिखाने पर ज्यादा जोर है, बजाय उनके मानवीय पक्ष को गहराई से दिखाने के।

रितेश देशमुख का अभिनय ठीक–ठाक है, लेकिन कई जगहों पर वह उस ऐतिहासिक आभा को पूरी तरह पकड़ नहीं पाते। वहीं अभिषेक बच्चन का किरदार प्रभाव छोड़ता है, जबकि संजय दत्त एक सीधे–सरल खलनायक के रूप में नजर आते हैं।

फिल्म की सबसे बड़ी कमी इसका भावनात्मक जुड़ाव है। दर्शक कहानी से पूरी तरह जुड़ नहीं पाते। हालांकि एक्शन दृश्य और कुछ खास सीन प्रभावशाली हैं। कुल मिलाकर, यह फिल्म भव्य तो है, लेकिन आत्मा की गहराई में उतरने से चूक जाती है।

कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी के घर आई खुशियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुनव्वर फारूकी के घर एक बार फिर खुशियों ने दस्तक दी है। 'बिग बॉस 17' के विजेता मुनव्वर दोबारा पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी मेहजबीन कोटवाला ने एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया है। इस खास पल को मुनव्वर ने अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया के जरिए साझा किया।

उन्होंने अस्पताल से एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें पत्नी और नवजात की झलक दिखाई देती है। हालांकि चेहरा स्पष्ट नहीं दिखाया गया, लेकिन तस्वीर में उनकी खुशी साफ झलकती है। पोस्ट के साथ मुनव्वर ने भावुक अंदाज में लिखा कि उनके घर 'बरकत' आई है और सभी से दुआओं में याद

पत्नी ने बेटी को दिया जन्म

रखने की अपील की।

इस खुशखबरी के सामने आते ही फैंस और सेलेब्रिटीज की ओर से बधाइयों का तांता लग गया। वरुण धवन समेत कई सितारों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर भी उनके चाहने वाले इस खबर से काफी उत्साहित नजर आए।

बता दें कि यह मुनव्वर की दूसरी शादी है। उनकी पहली शादी से एक बेटा है, जबकि मेहजबीन की भी एक बेटी है। अब इस नए सदस्य के आने से परिवार में खुशियों का माहौल और भी बढ़ गया है।

400 करोड़ की फिल्म द राजा साब फ्लॉप निर्देशक ने जताया दर्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। द राजा साब बड़े बजट और स्टारकास्ट के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई। करीब 400 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म से मेकर्स को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन रिलीज के बाद दर्शकों की ठंडी प्रतिक्रिया ने सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। फिल्म में प्रभास लीड रोल में नजर आए, जबकि संजय दत्त समेत कई बड़े कलाकार भी शामिल थे। इसके बावजूद फिल्म दर्शकों को बांधने में नाकाम रही और महज 200 करोड़ के आसपास सिमट गई।

फिल्म के निर्देशक मारुति दसारी ने इस असफलता पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जब सालों की मेहनत सोशल मीडिया पर मजाक बन जाती है, तो यह बेहद तकलीफ देता है। उनका मानना है कि दर्शक फिल्म की गहराई को समझ नहीं पाए। यह घटना एक बार फिर दिखाती है कि आज के दौर में केवल बड़े बजट और स्टार पावर ही सफलता की गारंटी नहीं हैं, बल्कि मजबूत कंटेंट ही दर्शकों को आकर्षित करता है।

हादसे के दर्द के बीच टीम की बड़ी जीत

दिल्ली की जीत में छिपा दो फैंस का दर्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का एक मुकाबला सिर्फ खेल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भावनाओं और यादों से भरा एक पल बन गया। दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की, लेकिन इस जीत के पीछे एक गहरा दुख छिपा था–दो युवा फैंस की असमय मौत।

यह मुकाबला इसलिए भी खास रहा क्योंकि दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने दो समर्पित प्रशंसकों, यज्ञ भाटिया और अभव भाटिया, को खोने के दर्द के साथ मैदान पर उतरी थी। दोनों चचेरे भाई हाल ही में एक सड़क हादसे का शिकार हो गए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच के बाद घर लौटते समय एक हिट एंड रन दुर्घटना में उनकी जान चली गई। इस हादसे ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरी टीम और फैन समुदाय को झकझोर दिया।

मैदान पर उतरी टीम ने इस दुख को अपनी ताकत बनाया। 226 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली

कैपिटल्स ने शानदार प्रदर्शन किया और सात विकेट से जीत हासिल की। यह जीत टीम के लिए सिर्फ अंक तालिका में बढ़त नहीं थी, बल्कि उन दो फैंस के प्रति श्रद्धांजलि भी थी, जो अब इस दुनिया में नहीं रहे। मैच के बाद कप्तान अक्षर पटेल भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि यह जीत यज्ञ और अभव को समर्पित है, जो टीम के परिवार का हिस्सा थे। उनके शब्दों में दर्द साफ झलक रहा था, लेकिन साथ ही यह भी दिखा कि टीम अपने समर्थकों को कितनी अहमियत देती है।

हेड कोच हेमांग बदानी ने भी ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए दोनों युवाओं को याद किया। उन्होंने कहा कि ये जीत उन दो लड़कों के लिए है, जो हमेशा टीम के साथ खड़े रहे। खिलाड़ियों ने जिस जज्बे के साथ खेला, उसने इस जीत को और भी खास बना दिया।

यज्ञ (20) और अभव (14) दिल्ली के अशोक नगर के रहने वाले थे और 'डीसी टोली' नाम के फैन ग्रुप के सक्रिय सदस्य थे। सोशल मीडिया पर भी वे टीम के समर्थन में काफी सक्रिय रहते थे। उनकी अचानक मौत ने पूरे फैन समुदाय को शोक में डाल दिया। खेल सिर्फ जीत और हार का नाम नहीं है, यह भावनाओं का भी संगम है। इस मैच ने यह साबित कर दिया कि खिलाड़ी और प्रशंसक एक–दूसरे से कितनी गहराई से जुड़े होते हैं। जब कोई फैन नहीं रहता, तो उसकी कमी सिर्फ स्टैंड में खाली सीट नहीं होती, बल्कि एक भावना की कमी होती है। दिल्ली कैपिटल्स की यह जीत लंबे समय तक याद रखी जाएगी–सिर्फ शानदार प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि उस संवेदना और सम्मान के लिए, जो टीम ने अपने दो युवा प्रशंसकों को दिया।

ऑस्कर नियमों में बड़ा बदलाव भारतीय सिनेमा को फायदा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने 2027 में होने वाले ऑस्कर अवॉर्ड्स के लिए नए नियमों का ऐलान किया है, जो फिल्म इंडस्ट्री के लिए गेमचेंजर साबित हो सकते हैं। इन बदलावों में सबसे अहम यह है कि अब किसी अभिनेता को एक ही कैटेगरी में एक से अधिक नॉमिनेशन मिल सकते हैं।

पहले नियमों के तहत एक एक्टर को केवल एक ही परफॉर्मेंस के लिए नामांकन मिलता था, लेकिन अब अगर किसी कलाकार की एक साल में कई दमदार भूमिकाएं हैं, तो उन्हें एक ही कैटेगरी में अलग–अलग फिल्मों के लिए नॉमिनेट किया जा सकता है। इससे टैलेंट को ज्यादा पहचान मिलने की संभावना बढ़ेगी।

इसके अलावा, इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में भी बड़ा बदलाव किया गया है। अब एक देश से एक की बजाय दो फिल्में भेजी जा सकेंगी, जिससे भारत जैसे देश को खास फायदा मिल सकता है, जहां हर साल

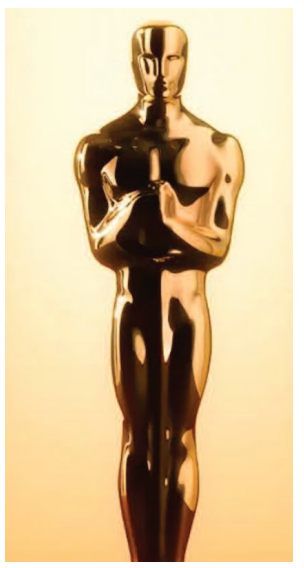

कई बेहतरीन फिल्में बनती हैं।

एक और अहम बदलाव यह है कि अब इस कैटेगरी में अवॉर्ड देश के बजाय सीधे फिल्म के निर्देशक को मिलेगा। इन नए नियमों का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और बेहतर प्रतिभाओं को मंच देना है।

जनगणना 2027 : यूपी में दो चरणों में होगा सर्वे, जातिगत आंकड़े भी जुटेंगे

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जनगणना 2027 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार जनगणना प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जाएगी, जिसमें घर–घर जाकर विस्तृत सामाजिक, आर्थिक और जनसंख्या संबंधी आंकड़े जुटाए जाएंगे। खास बात यह है कि दूसरे चरण में जातिगत आंकड़े भी एकत्र किए जाएंगे, जिससे देश की सामाजिक संरचना की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।

जनगणना निदेशालय के अनुसार, पहला चरण 22 मई से 20 जून 2026 तक चलेगा, जिसमें हाउस लिस्टिंग यानी मकानों और सुविधाओं का विवरण जुटाया जाएगा। इसके बाद दूसरा चरण 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक आयोजित होगा, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। इसी दौरान जातिगत जानकारी भी दर्ज की जाएगी। पूरी प्रक्रिया का आधार 1 मार्च 2027 की रात 12 बजे तय किया गया है, जिसके अनुसार देश की कुल जनसंख्या घोषित की जाएगी।

इस विशाल अभियान को सफल बनाने के लिए प्रदेश को करीब 3.90 लाख गणना ब्लॉकों में बांटा गया है। प्रत्येक ब्लॉक में लगभग 800 से 1000 लोगों की गणना की जाएगी। इसके लिए करीब 5 लाख कार्मिक तैनात किए जाएंगे, जिनका प्रशिक्षण 10 मई तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

जनगणना के दौरान मकानों की स्थिति, परिवार की संरचना, शिक्षा, रोजगार, गैस कनेक्शन, स्मार्टफोन उपयोग जैसी कई अहम जानकारियां भी जुटाई जाएंगी। इसके साथ ही स्लम क्षेत्रों और दूर–दराज के इलाकों को भी सर्वे में शामिल किया जाएगा, ताकि कोई भी क्षेत्र छूट न जाए।

सरकार का मानना है कि इस विस्तृत जनगणना से नीतियां बनाने में मदद मिलेगी और सामाजिक–आर्थिक विकास की दिशा में सटीक योजना तैयार की जा सकेगी।

योगी सरकार का सख्त अल्टीमेटम

खुदी सड़कें तुरंत भरें, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई : सीएम

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान खोदी गई सड़कों और गड्ढों को कार्य पूरा होते ही तत्काल भरा जाए। किसी भी तरह की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की

जाएगी। मुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे स्वयं स्थलीय निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि मरम्मत कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरा हो।

सरकार ने चेतावनी दी है कि अधूरे काम छोड़ने या देरी करने वाले ठेकेदारों और कार्यदायी संस्थाओं पर जुर्माना लगाया जाएगा और जरूरत पड़ने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट भी किया जाएगा। इसके अलावा जल समाधान पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों लोगों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। सरकार का फोकस है कि हर घर तक सुरक्षित और सुचारु जलापूर्ति सुनिश्चित हो सके।

लखनऊ में एएसआई ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट से उठे सवाल

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां पुलिस मुख्यालय में तैनात 34 वर्षीय सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) सत्येंद्र वर्मा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनका शव अहिमामऊ स्थित किराए के कमरे में फंदे से लटका मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।

मौके पर पहुंची पुलिस को कमरे से चार पन्नों का सुसाइड नोट भी मिला है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, नोट में सत्येंद्र वर्मा ने अपनी जिंदगी की असफलताओं के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि उन्होंने किसी पर सीधे तौर पर आरोप नहीं लगाया।

परिजनों का दावा है कि सत्येंद्र अपनी मंगेतर के साथ रिश्तों को लेकर

तनाव में थे। बताया जा रहा है कि घटना से एक दिन पहले दोनों के बीच फोन पर बातचीत भी हुई थी। इसी आधार पर परिवार ने मंगेतर पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है।

पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कॉल डिटेल्स, सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग और अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

यह घटना मानसिक तनाव और निजी रिश्तों के दबाव को उजागर करती है, जिस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

यूपी के स्कूलों में 'अरुणोदय' कैलेंडर से बदलेगा पढ़ाई का तरीका

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में अब पढ़ाई का तरीका बदलने जा रहा है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) ने छात्रों के समग्र विकास के लिए एक नया दैनिक गतिविधि आधारित कैलेंडर तैयार किया है, जिसे 'अरुणोदय' नाम दिया गया है। यह व्यवस्था सत्र 2026–27 से लागू की जाएगी।

इस कैलेंडर की खासियत यह है कि बच्चों को हर दिन किसी न किसी नए विषय से जोड़ा जाएगा। इसमें पर्यावरण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सड़क सुरक्षा, देशभक्ति, विज्ञान, कहानी–कविता और महापुरुषों की जानकारी जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान शिक्षक बच्चों को इन विषयों पर जानकारी देंगे और उनसे जुड़ी गतिविधियां भी कराई जाएंगी। नई व्यवस्था में तकनीक का भी इस्तेमाल किया गया है। हर विषय के साथ क्यूआर कोड जोड़ा गया है, जिससे शिक्षक अतिरिक्त

जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। कैलेंडर को प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के अनुसार अलग–अलग तैयार किया गया है इसके साथ ही बच्चों को अखबारों से जोड़ने की भी पहल की जा रही है ताकि उनका सामान्य ज्ञान बढ़ सके। खेल, पहेलियों और गणित किट के जरिए गणित के डर को दूर करने की कोशिश की जाएगी। सरकार का उद्देश्य बच्चों को सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें व्यवहारिक और जीवन कौशल से भी जोड़ना है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

स्टेज पर मचा बवाल

वरमाला फेंक भागा दूल्हा शादी बनी ड्रामा का मैदान

यूनिक समय, आगरा। एत्मादपुर में एक शादी समारोह उस समय हाईवोल्टेज ड्रामे में बदल गया जब वरमाला के दौरान एक महिला अचानक स्टेज पर पहुंच गई और दूल्हे को अपना पति बताने लगी। महिला को देखते ही दूल्हा

घबरा गया और वरमाला फेंककर मौके से भाग निकला। देखते ही देखते माहौल अफरा–तफरी में बदल गया और डीजे बंद हो गया। महिला ने दूल्हे के भाई पर भी गंभीर आरोप लगाए, जबकि भाई ने उल्टा दावा किया कि वही उसकी पत्नी है और उसका देवर से संबंध है। करीब दो घंटे चले विवाद के बाद शादी टूट गई। अंत में दुल्हन पक्ष ने उसी समारोह में मौजूद एक अन्य युवक से लड़की की शादी करा दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दूल्हे के परिजनों को हिरासत में लिया गया है।

सीजीएचएस रिश्वत कांड

सीबीआई ने 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

अतिरिक्त निदेशक और निजी सहायक गिरफ्तार

यूनिक समय, गाजियाबाद। गाजियाबाद में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की अतिरिक्त निदेशक डॉ. नताशा वर्मा और उनके निजी सहायक सनी कुमार को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। मामला तब सामने आया जब ट्रांसफर रुकवाने और मनचाही पोस्टिंग दिलाने के नाम पर रिश्वत मांगी गई। शिकायतकर्ता कर्मचारी के अनुसार, उससे कुल 80 हजार रुपये की मांग की गई थी। इसके बाद उसने पूरी बातचीत की रिकॉर्डिंग कर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा में शिकायत दर्ज कराई। टीम ने जाल बिछाकर जैसे ही 50 हजार रुपये का लिफाफा दिया गया, दोनों को मौके पर पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने करीब 16 घंटे तक उनके घर और दफ्तर में तलाशी अभियान चलाया, जिसमें कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए। इसके बाद दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेज दिया गया।

इस कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

दिल्ली बैठक से यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार के संकेत

दोनों डिप्टी सीएम के साथ दिखे भूपेंद्र चौधरी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अटकलों के बीच दिल्ली में बीजेपी की अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश के शीर्ष नेता शामिल हुए। इस बैठक को आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है।

बैठक में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक के साथ प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, बैठक का मुख्य एजेंडा मंत्रिमंडल विस्तार और चुनावी रणनीति तय करना रहा। पार्टी नेतृत्व राज्य में राजनीतिक समीकरणों को संतुलित करने के लिए नए चेहरों को मौका देने

पर विचार कर रहा है।

खासतौर पर जातीय संतुलन और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वांचल और बुंदेलखंड जैसे इलाकों से नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल करने की चर्चा है। बीजेपी का फोकस ऐसे नेताओं पर भी है, जिन्होंने संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। पश्चिमी बंगाल चुनाव के बाद अब पार्टी का ध्यान पूरी तरह उत्तर प्रदेश पर केंद्रित हो गया है। ऐसे में यह बैठक 'मिशन 2027' की दिशा तय करने वाली मानी जा रही है। पार्टी नेतृत्व बूथ स्तर तक पकड़ मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और चुनावी मुद्दों को धार देने की रणनीति पर भी मंथन कर रहा है। सूत्रों का यह भी कहना है कि बैठक को अचानक बुलाया जाना इस बात का संकेत है कि पार्टी जल्द ही कुछ बड़े फैसले ले सकती है। मंत्रिमंडल विस्तार की टाइमिंग, नए मंत्रियों के नाम और संगठन में बदलाव जैसे मुद्दों पर अंतिम मुहर लगने की संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में यूपी की सियासत में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। अगर मंत्रिमंडल विस्तार होता है, तो यह न सिर्फ सरकार की कार्यशैली पर असर डालेगा, बल्कि चुनावी माहौल को भी नई दिशा देगा। फिलहाल सभी की नजरें पार्टी के अगले कदम पर टिकी हैं, क्योंकि यही तय करेगा कि बीजेपी आगामी चुनावों के लिए किस रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी।

मायावती की सरकार को नसीहत

सिलेंडर महंगा होने पर बढ़ी आम लोगों की मुश्किलें

यूनिक समय, लखनऊ। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में एकमुश्त 993 रुपये की बढ़ोतरी के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने केंद्र सरकार पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस फैसले से आम जनता में बेचैनी बढ़ी है और इसका सीधा असर गरीब व मध्यम वर्ग पर पड़ेगा। उन्होंने सरकार से अपील की कि किसी भी आर्थिक निर्णय से पहले उसके व्यापक प्रभाव का आकलन जरूर किया जाए। मायावती ने कहा कि चुनावी समय में जिस तरह पेट्रोल और डीजल के दाम नियंत्रित रखे जाते हैं, उसी तरह अब भी जनहित में संतुलित नीति अपनाने की जरूरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि बढ़ती महंगाई के बीच पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में किसी भी तरह की बढ़ोतरी आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ा सकती है।

देशभर में आपदा अलर्ट सिस्टम का किया सफल परीक्षण

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमित शाह और ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देशव्यापी मोबाइल आधारित आपदा संचार प्रणाली का शुभारंभ किया, जिसके तहत लाखों यूजर्स को ट्रायल अलर्ट मैसेज भेजा गया। यह प्रणाली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और दूरसंचार विभाग के सहयोग से विकसित की गई है।

यह पहल 'सचेत' यानी एकीकृत चेतावनी प्रणाली पर आधारित है, जो 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में लागू की गई है। इस सिस्टम का मकसद भूकंप, बाढ़, चक्रवात जैसी आपदाओं के

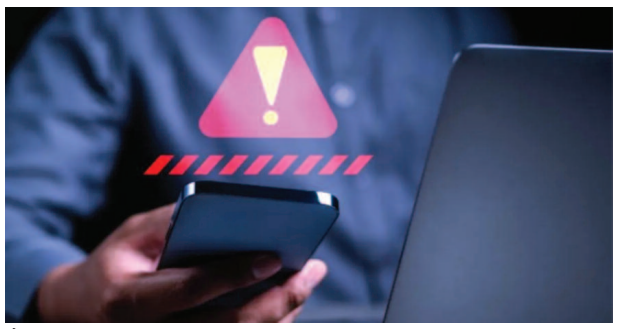

दौरान लोगों तक तुरंत चेतावनी पहुंचाना है। परीक्षण के दौरान भेजा गया संदेश केवल जागरूकता के लिए था, जिस पर कोई कार्रवाई जरूरी नहीं थी। नई तकनीक में एसएमएस के साथ-साथ सेल ब्रॉडकास्ट सुविधा भी शामिल है, जिससे नेटवर्क व्यस्त होने पर भी अलर्ट तुरंत पहुंच सके। सरकार का मानना है कि यह सिस्टम आपात स्थितियों में जनहानि को कम करने में अहम भूमिका निभाएगा।

मोबाइल पर सायरन अलर्ट से न घबराएं

सरकार ने चेताया— यह सिर्फ परीक्षण

अमित शाह और ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया शुभारंभ

जबलपुर नाव हादसा

वायरल वीडियो में दिखी लापरवाही और दहशत

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी बांध में हुए दर्दनाक क्रूज हादसे का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसने हादसे की भयावहता और सुरक्षा व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि जैसे ही नाव में पानी भरना शुरू होता है, यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच जाती है और कुछ ही पलों में हंसी-खुशी का माहौल चीख-पुकार में बदल जाता है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नाव में अचानक तेजी से पानी भरने लगा, जिससे संतुलन बिगड़ गया और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हैरानी की बात यह रही कि लाइफ जैकेट समय पर उपलब्ध नहीं कराई गईं। वीडियो में क्रू मेंबर्स हादसे के बाद घबराहट में जैकेट के पैकेट खोलते नजर आए, जबकि कई यात्रियों के पास कोई सुरक्षा साधन नहीं था।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नाव में क्षमता से अधिक लोग सवार थे और खराब मौसम के बावजूद उसे जलक्षेत्र में जाने की अनुमति दी गई। भारतीय मौसम विभाग पहले ही तेज हवाओं और तूफान का अलर्ट जारी कर चुका था, लेकिन चेतावनी को नजरअंदाज किया गया।

इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। घटना ने सुरक्षा मानकों और प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ईवीएम सुरक्षा पर बंगाल में बवाल, सख्ती बढ़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में मतदान खत्म होते ही ईवीएम सुरक्षा को लेकर सियासी तनाव बढ़ गया है। तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के समर्थक आमने-सामने आ गए, जिसके बाद कोलकाता में पुलिस ने सख्त पाबंदियां लागू कर दीं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भवानीपुर स्थित स्ट्रॉन्गरूम के बाहर धरना दिया, जिससे माहौल और गरमा गया। दूसरी ओर, बीजेपी कार्यकर्ताओं ने भी विरोध प्रदर्शन किया, जिसके चलते पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। कुछ इलाकों में झड़प की घटनाएं भी सामने आईं।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए स्ट्रॉन्गरूम के 200 मीटर दायरे में धारा 163 के तहत प्रतिबंध लगा दिया गया है। पांच से अधिक लोगों के जुटने, जुलूस और नारेबाजी पर रोक है। मतगणना तक इन इलाकों में कड़ी निगरानी रखी जा रही है। चुनाव आयोग ने भी साफ किया है कि किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट से ममता बनर्जी को बड़ा झटका, याचिका खारिज

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दिया है, जिससे पार्टी को बड़ा झटका लगा है। इस मामले में वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने टीएमसी का पक्ष रखा, लेकिन कोर्ट से कोई राहत नहीं मिल सकी।

टीएमसी ने आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग काउंटिंग प्रक्रिया में एकतरफा फैसले ले रहा है और राज्य कर्मचारियों को काउंटिंग सुपरवाइजर नहीं बनाया जा रहा, जिससे गड़बड़ी की आशंका है। हालांकि, भारत निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष है और इसमें विभिन्न स्तरों पर निगरानी की व्यवस्था है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य और केंद्र के सभी कर्मचारी चुनाव आयोग के अधीन काम

करते हैं, इसलिए पक्षपात की आशंका का कोई ठोस आधार नहीं है। कोर्ट ने चुनाव आयोग के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में हाल ही में दो चरणों में मतदान हुआ है और इसके नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

हार्मुज पर ट्रंप के बयान से विश्व में मचा हड़कंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। उन्होंने अमेरिकी नौसैनिक कार्रवाई को "समुद्री लुटेरों" जैसा बताते हुए दावा किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना ने ईरान से जुड़े तेल टैंकरों को रोका और उन पर नियंत्रण किया। ट्रंप के अनुसार, एक टैंकर को चेतावनी देने के बाद भी नहीं रुकने पर उसे निशाना बनाकर कब्जे में लिया गया। यह घटनाक्रम हार्मुज जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक समुद्री मार्ग से जुड़ा है, जहां से दुनिया की बड़ी मात्रा में तेल सप्लाई होती है। ऐसे में इस तरह के बयान और कार्रवाई वैश्विक बाजार और सुरक्षा संतुलन पर असर डाल सकते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि "नाकाबंदी" और "समुद्री डकैती" जैसे शब्दों का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय कानून

ट्रंप बोले—हम समुद्री लुटेरे जैसे हैं

को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है और ईरान की ओर से भी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, जिससे स्थिति और जटिल बनी हुई है।

महाराष्ट्र 12वीं रिजल्ट 89.79% पास, छात्राएं अव्वल

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र बोर्ड ने कक्षा 12वीं (एचएससी) परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष कुल पास प्रतिशत 89.79% रहा।

एक बार फिर छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी। लड़कियों का पास प्रतिशत 93.15% रहा, जबकि लड़कों का 86.80% दर्ज किया गया। छात्र आधिकारिक वेबसाइट, डिजिलॉकर, उमंग ऐप और एसएमएस के जरिए अपना रिजल्ट देख सकते हैं। इस साल भी पिछले वर्षों की तरह छात्राओं और छात्रों के प्रदर्शन में अंतर देखने को मिला।

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई: यूएई से लाया गया भगोड़ा आरोपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो को एक बड़े बैंकिंग घोटाले में अहम सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी कमलेश पारेख को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। 1 मई को दिल्ली पहुंचते ही सीबीआई ने उसे हिरासत में ले लिया। जांच एजेंसियों के अनुसार, पारेख पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित कई बैंकों के सैकड़ों करोड़ रुपये के फंड में हेरफेर करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि उसने फर्जी कंपनियों और संदिग्ध लेन-देन के जरिए धन को विदेशों में डायवर्ट किया। इस कार्रवाई को विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सहयोग से अंजाम दिया गया। आरोपी के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जिसके आधार पर उसे यूएई में ट्रैक किया गया। सीबीआई की जांच में सामने आया है कि इस घोटाले में कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। एजेंसी अब पारेख से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है।

संदीप पाठक पर शिकंजा, दो एफआईआर से बढ़ी मुश्किलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। संदीप पाठक की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए पाठक के खिलाफ पंजाब में दो अलग-अलग जिलों में गैर-जमानती धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। इन मामलों के बाद उनकी गिरफ्तारी की आशंका भी जताई जा रही है।

हालांकि पाठक ने कहा कि उन्हें इन एफआईआर की कोई जानकारी नहीं है और न ही पुलिस ने उन्हें सूचित किया है। उन्होंने अपने खिलाफ कार्रवाई को राजनीतिक दबाव बताया। इसी बीच दिल्ली पुलिस की टीम उनके आवास पहुंची, जिसके बाद वह जल्दबाजी में पीछे के दरवाजे से निकलते नजर आए। उनके हाथ में सूटकेस भी देखा गया, जिससे हलचल और तेज हो गई। राजनीतिक हलकों में इस घटनाक्रम को लेकर चर्चाएं तेज हैं।

बंगाल चुनाव से पहले सट्टा बाजार में उलटफेर

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों से पहले सट्टा बाजार के रुझानों ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। 4 मई को आने वाले परिणामों से पहले अनुमान लगातार बदल रहे हैं, जिससे माहौल में उत्सुकता और अनिश्चितता दोनों बनी हुई है।

राजस्थान के फलोदी सट्टा बाजार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अब भारतीय जनता पार्टी को बढ़त मिलती दिख रही है, जबकि तृणमूल कांग्रेस पीछे नजर आ रही है। नए अनुमान के अनुसार बीजेपी को 150 के आसपास सीटें मिल सकती हैं, जबकि टीएमसी 140 के आसपास सिमट सकती है।

भवानीपुर सीट पर भी संकेत बदले हैं, जहां ममता बनर्जी की स्थिति पहले से कमजोर मानी जा रही है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सट्टा बाजार के ये आंकड़े अंतिम नहीं होते। मतगणना तक ऐसे उतार-चढ़ाव जारी रह सकते हैं। असली तस्वीर 4 मई को ही साफ होगी, जब नतीजे सामने आएंगे।

हरिद्वार में कुत्ते को गंगा स्नान कराने पर बवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरिद्वार के सर्वानंद घाट से एक वीडियो सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया। वीडियो में एक महिला अपने पालतू कुत्ते को गंगा नदी में स्नान कराती नजर आई, जिसे देखकर घाट पर मौजूद श्रद्धालु भड़क उठे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला परिवार के साथ घूमने आई थी और उसने धार्मिक स्थल पर इस तरह की गतिविधि शुरू कर दी। जब लोगों ने गंगा की पवित्रता का हवाला देकर विरोध किया, तो महिला और स्थानीय लोगों के बीच तीखी बहस हो गई। बाद में परिवार के हस्तक्षेप के बाद

महिला वहां से चली गई। इस घटना पर तीर्थ पुरोहितों ने कड़ा एतराज जताया है और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने धार्मिक स्थलों की गरिमा बनाए रखने के लिए कड़े नियम लागू करने की अपील की है।

मुड़िया पूर्णिमा मेला 2026 की तैयारियां तेज, अधिकारियों ने की समीक्षा

मेले में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा पर रहेगा विशेष फोकस

तहसील गोवर्धन में मुड़िया पूर्णिमा मेला की तैयारियां को लेकर मंडल आयुक्त नगेंद्र प्रताप, डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय, डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, सीडीओ पूजा गुप्ता एवं अन्य अधिकारियों के साथ।

गोवर्धन में आयोजित बैठक में सुरक्षा, सफाई, यातायात और व्यवस्थाओं को लेकर दिए गए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेला 2026 की तैयारियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में तहसील गोवर्धन के सभागार में मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेश कुमार पांडेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार तथा मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मेला क्षेत्र में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया। मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने सभी विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि मेला क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह मेला न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि जनपद की पहचान भी है, इसलिए सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं।

पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है, जिसके लिए रूट डायवर्जन प्लान तैयार किया गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पार्किंग स्थलों की समुचित व्यवस्था की जाए और किसी भी स्थिति में जाम की समस्या उत्पन्न न हो। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने मेला व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल, विद्युत, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए। उन्होंने कहा कि परिक्रमा मार्ग, प्रमुख मंदिरों और ठहरने वाले स्थानों पर साफ-सफाई विशेष रूप से सुनिश्चित की जाए। साथ ही, अस्थायी शौचालयों और पेयजल टैंकों की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत योजना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी तथा भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही, महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस टीमों को तैनात किया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाकर कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल कैंप लगाए जाएंगे, जहां श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, आपातकालीन सेवाओं को भी पूरी तरह सक्रिय रखा जाएगा।

बैठक में नगर निगम, विद्युत विभाग, जल निगम, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अपनी-अपनी तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की। सभी विभागों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

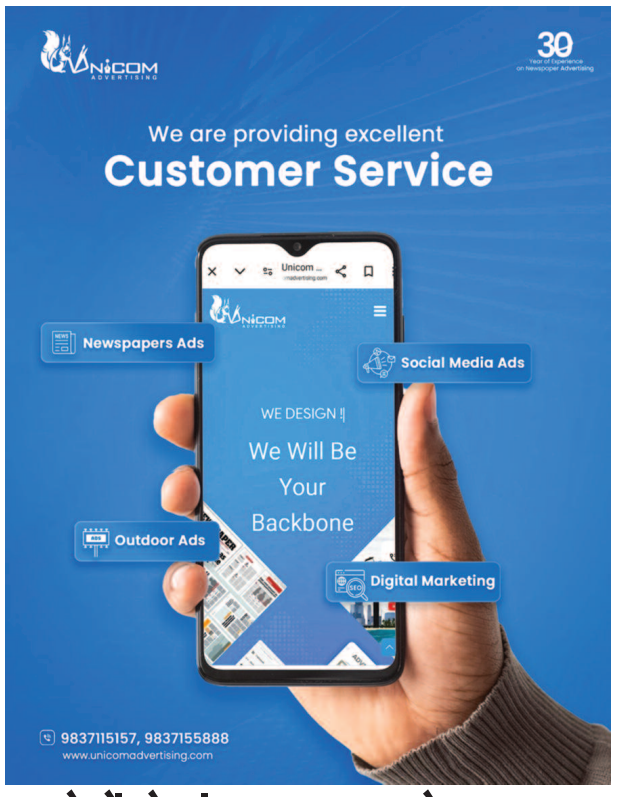

चोरों ने बंद मकान को बनाया निशाना, लाखों का सामान चोरी

दोनों भाइयों के परिवार बाहर गए हुए थे

पड़ोसियों ने चोरी की वारदात की पुलिस को दी सूचना

यूनिक समय, मथुरा। महानगर की घनी आबादी और पॉश कालोनी में बीती रात चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया। मकान बंद करके गृहस्वामी कहीं बाहर गए हुए थे। मकान में हुई चोरी की जानकारी पड़ोसियों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। कॉलोनी में हुई चोरी की वारदात से स्थानीय लोगों में दहशत फैली हुई है।

शहर के मध्य स्थित तिलक नगर कालोनी (पंजाबी कालोनी) के मकान नंबर 54 में लाज अरोरा रहते हैं। वह मकान को ताला लगा कर कहीं गए हुए थे। शुक्रवार की रात्रि चोरों ने मकान के मेन गेट का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया।

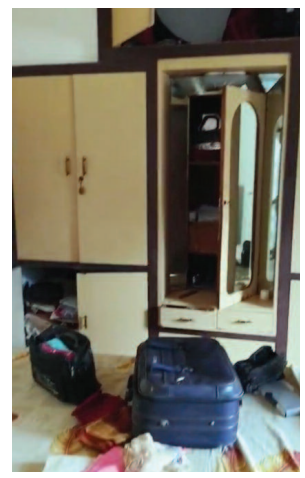

चोरों द्वारा चोरी के लिए खोली गई अलमारी और बिखरा पड़ा सामान।

पश्चिम बंगाल के चुनाव की चर्चा मथुरा में भी

सरकार बनाने को लेकर लाखों रुपये दांव पर

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ईवीएम के आंकड़ों से चार मई को पश्चिम बंगाल की सरकार का फैसला होगा, लेकिन इस बार चुनाव की चर्चा हर जगह हो रही है। इस चर्चा से कान्हा की नगरी भी अछूती नहीं रही है। इस नगरी में सटोरियों के यहां भी सरकार बनाने को लेकर लाखों रुपये का दांव लग गया है। इंतजार है तो चार मई की दोपहर तक का। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दो चरणों के बाद सट्टा बाजार में जबरदस्त हलचल है। अब तक चर्चा में रहने वाले फलोदी सट्टा बाजार को पीछे छोड़ते हुए सोशल मीडिया के मुताबिक अमेरिका के प्रेडिक्शन मार्केट 'पॉलीमार्केट' ने चौंकाने वाले आंकड़े जारी किए हैं। अब तक लोग केवल राजस्थान के फलोदी सट्टा बाजार के आंकड़ों पर नजर टिकाए बैठे थे, लेकिन इस बार बंगाल के दंगल में सात समंदर पार अमेरिका के 'पॉलीमार्केट' ने तहलका मचा दिया है, मीडिया में छपी खबर के मुताबिक, अमेरिकी प्रेडिक्शन मार्केट में बंगाल चुनाव पर 4.8 मिलियन डॉलर से ज्यादा की ट्रेडिंग हो चुकी है, स्वसे चौंकाने वाली बात यह है कि दूसरे चरण के मतदान के बाद जीत-हार का पूरा गणित बदल गया है, जहाँ पहले ममता बनर्जी की टीएमसी को फेवरिट माना जा रहा था, वहीं अब विदेशी सट्टेबाज बीजेपी की जीत पर भारी दांव लगा रहे हैं, आंकड़ों की मानें तो बीजेपी की जीत की संभावना अब 56 फीसद के पार निकल गई है, जिसने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है।इस बीच मथुरा में भी पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर लोगों के बीच खूब चर्चा है। टीवी चैनलों पर प्रसारित हो रही खबर और समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों पर लोगों की दिलचस्पी देखी जा रही है। कई लोगों का कहना है कि पश्चिम बंगाल की सरकार को लेकर इस बार मथुरा के सटोरियों के बीच काफी हलचल है। वह भी सरकार को लेकर सट्टा लगाते देखे गए हैं। सभी को चार मई का इंतजार है। दोपहर बाद तक पूरी तस्वीर साफ होने लगेगी। सबसे अधिक जोश तो भाजपाइयों में दिखाई दे रहा है। मथुरा जिले में वैसे पश्चिम बंगाल के लोगों से कई लोगों के रिश्ते भी है। वह भी फोन से संपर्क करके हर पल की जानकारी ले रहे हैं।

मारपीट करने के दोषी चार सगे भाईयों को तीन-तीन वर्ष की सजा

कोर्ट ने 800-800 रुपये का जुर्माना भी लगाया

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे-6 नीलम ढाका की अदालत ने प्लाट से लकड़ी उठाने को लेकर वर्ष 2012 में हुए झगड़े में नामजद चार सगे भाईयों को तीन-तीन वर्ष का साधारण कारावास और 800-800 रुपये के अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है।

शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता रागिनी गांधी की। उन्होंने बताया कि फरह थाना क्षेत्र के धीमरपाड़ा में रहने वाले विक्रम व बच्चू सिंह उर्फ डूंगर सिंह के बीच प्लाट से लकड़ी उठाने को लेकर 24 दिसंबर 2012 को झगड़ा हुआ था। इस झगड़े में बच्चू सिंह पक्ष ने विक्रम के घर में घुसकर लाठी-डंडों व सरिया आदि से मारपीट की थी। इसमें विक्रम सहित कई लोगों को गंभीर चोटें आई थी। विक्रम सिंह ने मुकेश, दिनेश, गोपाल, कैशव पुत्रगण बच्चू सिंह उर्फ डूंगर सिंह निवासी धीमरपाड़ा के खिलाफ फरह थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने नामजदों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडजे-6 नीलम ढाका की अदालत में हुई। अदालत ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य और गवाहों की गवाही पर मुकेश, दिनेश, गोपाल व कैशव को तीन-तीन वर्ष के साधारण कारावास और 800-800 रुपये अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है।

आज से ज्येष्ठ मास शुरू

19 साल बाद बना दुर्लभ संयोग

यूनिक समय, मथुरा। आज से शुरू हुआ ज्येष्ठ मास में करीब 19 साल बाद ऐसा दुर्लभ संयोग बन रहा है, जब पूरे ज्येष्ठ मास में आठ बड़े मंगलवार पड़ेंगे। अधिक मास के कारण इस बार महीने की अवधि बढ़कर 59 दिन हो गई है, जिससे धार्मिक दृष्टि से इसका महत्व और भी बढ़ गया है। ज्योतिषाचार्य पंडित बनवारी लाल गौड़ के मुताबिक इस वर्ष ज्येष्ठ मास 2 मई से शुरू होकर 29 जून तक चलेगा। बीच में 17 मई से 15 जून तक अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) रहेगा। हिंदू पंचांग के अनुसार अधिक मास का आगमन सूर्य और चंद्रमा के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए होता है। इसे मलमास भी कहा जाता है, लेकिन धार्मिक मान्यताओं में इसका विशेष महत्व है। इस बार ज्येष्ठ मास की अवधि लंबी होने के कारण कुल आठ मंगलवार पड़ रहे हैं, जिन्हें 'बड़ा मंगल' कहा जाता है। यह सभी मंगलवार भगवान हनुमान को समर्पित होते हैं। मान्यता है कि इसी महीने भगवान राम और हनुमानजी का मिलन हुआ था। वैसे तो सभी हनुमान मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। 16 मई को शनि अमावस्या (शनिदेव जयंती) और 21 मई व 18 जून को गुरु पुष्य अमृत योग का शुभ संयोग भी बनेगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अधिक मास की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने इसे 'पुरुषोत्तम मास' का नाम दिया और स्वयं इसका स्वामी बनने का वरदान दिया। इस महीने में विधिपूर्वक पूजा-पाठ, व्रत और संयम रखने से आध्यात्मिक शक्ति की प्राप्ति होती है और जीवन के कष्ट दूर होते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मास में की गई भक्ति से मृत्यु के बाद भी शुभ फल प्राप्त होते हैं

बड़ा मंगल और तिथियां

- 5 मई - पहला बड़ा मंगल
- 12 मई - दूसरा बड़ा मंगल
- 19 मई - तीसरा बड़ा मंगल
- 26 मई - चौथा बड़ा मंगल
- 2 जून - पांचवां बड़ा मंगल
- 9 जून - छठा बड़ा मंगल
- 16 जून - सातवां बड़ा मंगल
- 23 जून - आठवां बड़ा मंगल

ज्येष्ठ मास में पड़ेंगे चार एकादशी व्रत

- 13 मई - अपरा एकादशी
- 27 मई - कमला पुरुषोत्तम एकादशी
- 11 जून - कमला पुरुषोत्तम एकादशी (द्वितीय)
- 25 जून - निर्जला एकादशी

कैंटर की टक्कर से पिता-पुत्र की मौत

यूनिक समय, आगरा। जिले में शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में पिता और पुत्र की मौत हो गई, जिससे पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। यह दुर्घटना आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर पूठपुरा-कल्याणपुर गांव के पास हुई, जब तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान थाना फतेहाबाद क्षेत्र के बेदपुरा निवासी शिवचरन (35) और उनके 15 वर्षीय पुत्र शिवम के रूप में हुई है।